RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 94 ● भिलाई, मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में आठ महीने से लागू राष्ट्रपति शासन जल्द होगा खत्म

इंफाल। दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद इंफाल लौटे पांच भाजपा विधायकों ने मणिपुर में जल्द सरकार के गठन की उम्मीद जताई। मणिपुर में पिछले 8 महीनों से राष्ट्रपति शासन लागू है। मणिपुर के लगभग 26 भाजपा विधायक पिछले हफ्ते और इस हफ्ते की शुरुआत में दिल्ली गए थे ताकि पार्टी के केंद्रीय नेताओं से मिलकर राज्य में जल्द से जल्द एक लोकप्रिय सरकार बनाने का आग्रह कर सकें। इसमें से पांच भाजपा विधायक शनिवार को मणिपुर लौट आए, लेकिन ज्यादातर विधायक अभी भी दिल्ली में हैं।विधायकों में पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यब्रत सिंह, पूर्व मंत्री थोंगम बिस्वजीत सिंह, सपम रंजन सिंह, हेइखम डिंगो, युमखाम खेमचंद, कोंथौजम गोविंदास और विधायक करम श्याम शामिल हैं। विधायकों ने दिल्ली में भाजपा के उत्तर-पूर्व प्रभारी और लोकसभा सांसद संबित पात्रा और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष के साथ बैठक की। विधायक करम श्याम ने कहा कि संबित पात्रा और बीएल संतोष ने उन्हें निर्वाचित सरकार बहाल करने के प्रति सकारात्मक इरादे का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि हालिया चर्चाओं में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की स्पष्ट चिंता और प्रतिबद्धता झलकती है।

जम्मू-कश्मीर राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने किया उम्मीदवारों का एलान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने द्विवार्षिक चुनावों के लिए तीन नामों की घोषणा की है। इनमें गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और शत शर्मा शामिल हैं। पूरे दिन पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक उम्मीदवारों के नामों की घोषणा का इंतजार करते रहे। देर रात तक भी सूची जारी नहीं हुई, जिसके बाद यह साफ हो गया था कि रविवार को किसी भी हाल में नामों की घोषणा की जाएगी, क्योंकि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि सोमवार निर्धारित है।

तेज रफ्तार कार रोड रोलर से टकराई, कांग्रेस नेता के बेटे समेत चार लोगों की मौत

सोनीपत। जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे पर मध्यरात्रि भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें चार युवकों की मौत हो गई। हादसा सोनीपत के गोहाना क्षेत्र में रूखी टोल टैक्स के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार सड़क निर्माण कार्य में लगे रोड रोलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान तीनों ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की खबर से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। चारों युवक हरियाणा के रोहतक जिले के गांव घिलौड़ के रहने वाले थे।

बिहार चुनाव से पहले लालू परिवार को लगा झटका

आईआरसीटीसी घोटाले में आरोप तय, चलेगा केस...

पटना/ एजेंसी

आईआरसीटीसी घोटाला में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव पर राउज और एवेन्यू कोर्ट में आरोप तय होने के मामले पर बिहार में सियासत गरमा गई है। आईआरसीटीसी घोटाले में तेजस्वी यादव ने कहा कि हम इस मामले में लड़ाई लड़ेंगे। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, ऐसे-ऐसे मामले सामने आएंगे। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं और इस केस को लड़ेंगे। बिहार की जनता समझदार है, उन्हें सब पता है कि क्या हो रहा है। यह सब राजनीतिक बदले की कार्रवाई है। जिस व्यक्ति ने रेलवे को 90 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा दिलाया, जिसने हर बजट में किराया घटाया, जो ऐतिहासिक रेल मंत्री रहे। उसी व्यक्ति को आज निशाना बनाया जा रहा है। हार्वर्ड और आईआईएम के छात्र लालू जी से मैनेजमेंट सीखने आते थे। उन्हें 'मैनेजमेंट गुरु' कहा जाता है। बिहार और देश की जनता सच्चाई जानती है। जब तक मैं जिंदा हूं, भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहूंगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। जदयू के मुख्य प्रवक्ता कहां कि लालू परिवार पर 420 और 120 बी का आरोप लगना स्वाभाविक है। लाल यादव ने अपने बड़े भाई के परिजन को नौकरी दी और फुलवरिया में जमीन बिकवा दिया। और राबड़ी देवी के चाचा के परिवार को नौकरी दिया तो भी जमीन लिखवा ली। नीरज कुमार ने कहा कि यह तो स्वाभाविक प्रक्रिया है यह न्याय हुआ है।

अब लालू परिवार की दुर्गति निश्चित है। एमएलसी नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव से सवाल पूछा कि अगर आपका नाम पर संपत्ति थी तो अपने इसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया? न्यायपालिका को आप चुनाव से जोड़ रहे हैं तो आपके वकील ने जिरह क्यों नहीं किया? आपके घटक दल के लोग टाइमिंग पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन, लेकिन आपने घोटाला करके जितनी संपत्ति अर्जित की उसके बारे में क्यों नहीं बता रहे हैं। आज कोर्ट ने फिर से न्याय किया है। वह भाजपा प्रवक्ता इस देश का कानून सबसे ऊपर है। कोई कितनी बड़ी भी हस्ती हो कानून सबके लिए बराबर है। आज उन पर आरोप भी तय किए गए हैं, वह न्याय हुआ है। बिहार की जनता ऐसे परिवारवादी, वंशवादी, भ्रष्टाचारी परिवार को बिहार में दोबारा सत्ता में नहीं देखना चाहती। हम मांग करते हैं कि उन्हें करी से करी सजा दी जाए। राउज एवेन्यू कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम घोटाले से संबंधित एक मामले में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए हैं। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने इस मामले में सोमवार को यह आदेश पारित किया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि लालू यादव, जो 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे, ने अपनी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए निजी कंपनी सुजाता होटल्स को रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटलों के पट्टे के लिए अनुचित तरीके से ठेके दिए।

क्या है यह घोटाला?

दरअसल, यह मामला रांची और पुरी स्थित दो आईआरसीटीसी होटलों के टेंडर में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है। इस मामले में सीबीआई ने साल 2017 में एफआईआर दर्ज की थी। आरोप है कि 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान आईआरसीटीसी के 2 होटलों के रखरखाव के ठेकों में कथित तौर पर भ्रष्टाचार किया गया। सीबीआई का आरोप है कि ये ठेके विजय और विनय कोचर की फर्म सुजाता होटल्स को दिए गए थे, जिसके बदले लालू से जुड़ी एक बेनामी कंपनी के जरिए तीन एकड़ कीमती जमीन ली गई थी। इस मामले में सीबीआई ने आईपीसी की धारा 120, 420 और प्रिवेंशन ऑफकरप्शन एक्ट 1988 की धारा 13(2) R/W 13(1)(डी) के तहत चार्जशीट दाखिल की थी। इस घोटाले में लालू यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी समेत 14 लोग आरोपी हैं।

सुप्रीम ने खारिज की याचिका

वोट चोरी वाले आरोपों की नहीं होगी एसआईटी जांच

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा कई चुनावों में मतदाता सूची में विसंगतियों के आरोपों की विशेष जाँच दल (एसआईटी) से जाँच कराने की माँग वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से संपर्क कर सकता है। हालाँकि याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि शीर्ष चुनाव निकाय ने उसके समक्ष याचिका प्रस्तुत किए जाने के बाद कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया, कथित तौर पर जनहित में दायर की गई रिट याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा। न्यायालय ने कहा, याचिकाकर्ता उपलब्ध वैकल्पिक उपायों का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र है।

भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने बिहार के सारण जिले के सिताब दियारा गाँव में लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के पैतृक घर का दौरा किया, जहाँ महान नेता के अभिलेखागार और स्मृति चिन्ह रखे हैं।

जन सुराज ने उतारे 65 और उम्मीदवार

बिहार में जातीय समीकरण साधने की कोशिश-प्रशांत

नई दिल्ली। प्रशांत किशोर के नेतृत्व वाली जन सुराज पार्टी ने सोमवार को बिहार चुनाव के लिए 65 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। हालांकि, किशोर का नाम इस सूची से गायब था। प्रशांत किशोर को लेकर चर्चा है कि वह राजद नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ राघोपुर सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। पार्टी ने कमलेश पासवान को हरनौत से उम्मीदवार बनाया है, जो लंबे समय से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गढ़ माना जाता रहा है, हालाँकि उन्होंने पिछले तीन दशकों से वहाँ कोई विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। नई सूची में 20 आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों (19 अनुसूचित जाति और 1 अनुसूचित जनजाति के लिए) और 46 अनारक्षित सीटों के लिए उम्मीदवार शामिल हैं। पार्टी ने घोषणा की कि सूची में 14 अति पिछड़ा वर्ग (10 हिंदू और 4 मुस्लिम), 10 अन्य पिछड़ा वर्ग, 11 आरक्षित वर्ग और 14 अल्पसंख्यक समुदायों के उम्मीदवार शामिल हैं।

वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

कांग्रेस ने हिमाचल में मजबूत की अपनी जड़ें-सोनिया गांधी

शिमला। एजेंसी

आधुनिक हिमाचल के निर्माता स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और मौजूदा राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी रविवार को शिमला पहुंचीं। सोमवार को करीब 11.30 के करीब सोनिया गांधी ने स्व. वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का आनावरण किया। इस दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू,

रजनी पाटिल, सचिन पायलट, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और अन्य कांग्रेस नेता हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह में शामिल हुए। प्रदेशभर से लोग इस कार्यक्रम में भाग लेने आए। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ लोग पहुंचे व नाटी डालते हुए कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस सचिन पायलट ने कहा कि वीरभद्र सिंह हमारे देश के सबसे कद्दावर नेताओं में से एक थे, वे कई बार मुख्यमंत्री रहे, हमने हिमाचल प्रदेश में उनकी विरासत और उनके काम का सम्मान किया है, आज उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है, यह बहुत अच्छा दिन है, हम सभी इसका स्वागत करते हैं। हम उस प्रेरणा को आगे बढ़ाना चाहते हैं जो वीरभद्र सिंह ने न केवल हमारी पार्टी को, बल्कि पूरे देश को दी है। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हम राजा वीरभद्र सिंह को श्रद्धांजलि देते हैं और उनकी प्रतिमा स्थापित करने के लिए इतने भव्य आयोजन के लिए हिमाचल सरकार को बधाई देते हैं।

पीएम मोदी के मंच पर दिखे दो और विधायकों ने दिया इस्तीफा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में इस्तीफों की झड़ी लग गई है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को एक और बड़ा झटका देते हुए पार्टी के दो और विधायकों नवादा से विभा देवी और रजौली (सुरक्षित) से प्रकाश वीर ने भी अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव को सौंप दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद से ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से नाराज चल रहे इन दोनों विधायकों ने हाल ही में गया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में मंच साझा कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। तभी से इनके राजद से नाता तोड़ने की अटकलों पर लगभग मुहर लग गई थी।

बीजेपी का लालू परिवार पर तंज

घोटाला, ज़मीन हड़पो, मॉडल है आरजेडी का शासन-रविशंकर

नई दिल्ली/ एजेंसी

भाजपा ने सोमवार को राजद पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि घोटाले, सरकारी ठेके देने में हेराफेरी और नौकरी का वादा करके लोगों की ज़मीन हड़पना राजद का शासन मॉडल है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज अदालत ने लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। तेजस्वी यादव बिहार को बदलना चाहते हैं, जबकि उन पर अदालत ने 420 का आरोप लगाया है... जब आपकी यही छवि है और

अदालत ने आपके खिलाफ यही पाया है, तो आप कौन सा बिहार बनाएंगे?... ब्रिटिश काल में रेलवे के अधीन 2 होटल थे। एक होटल, बीएनआर होटल, रांची, झारखंड में स्थित था। और दूसरा पुरी में था। भाजपा सांसद ने दावा किया कि रेलवे इन होटलों के रखरखाव का काम किसी और को पट्टे पर देना चाहता था... पटना के सुजाता होटल्स को उस आवेदन के लिए योग्य बनाया गया था। केवल एक निविदा सही पाई गई, अन्य को खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि होटल के मालिक, कोचर बंधुओं के पास पटना में 3 एकड़ का एक प्लॉट था, जिसकी कीमत 93 करोड़ रुपये थी। इसे प्रेम गुप्ता की पत्नी द्वारा संचालित एक कंपनी को बेच दिया गया था। फिर इसे कम कीमत पर यादव परिवार को बेच दिया गया। 1993 से 2007 तक, तेजस्वी यादव के पास 9 कृषि और 2 गैर-कृषि भूमि, पटना में 1 व्यावसायिक प्लॉट और भोपाल में 1 प्लॉट था।

डोनाल्ड ट्रम्प बोले-युद्ध खत्म हुआ

हमास ने सभी जीवित इजरायली बंधकों को किया गया रिहा

नई दिल्ली। एजेंसी

इजरायल और हमास के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद सोमवार को हमास ने सभी 20 बंधकों को रिहा कर दिया। इसके एलान करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को धन्यवाद कहा और इसे मिडिल ईस्ट के लिए एक नया सवेरा बताया। इजरायल और हमास के बीच शांति समझौता और फिर बंधकों की रिहाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र इसका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि करीब दो साल बाद बंधकों को रिहा करने का कदम स्वागत योग्य है। पीएम मोदी ने ट्रंप का इस मामले पर समर्थन भी जताया है। बता दें, इजरायल की संसद पहुंचे डोनल्ड ट्रंप ने गाजा में दो साल से चल रहे विनाशकारी युद्ध को खत्म करने के लिए सीजफायर समझौता कराने में नेतन्याहू के शानदार काम की सराहना की और इसे नए मिडिल ईस्ट की एतिहासिक सुबह बताया। सीजफायर समझौते की मध्यस्थता करने वाले ट्रंप ने कहा कि बचे हुए 20 इजरायली बंधकों की रिहाई लंबे वक्त से संघर्ष से ग्रस्त इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने यरूशलम में उत्साहित नेसेट के सदस्यों से कहा, बंधक वापस आ गए हैं। यह कहते हुए बहुत अच्छा लग रहा है। आने वाली पीढ़ियों को यह उस पल के रूप में याद रहेगा, जब सब कुछ बदलना शुरू हुआ और बहुत बेहतरी के लिए। बता दें, अमेरिका की मध्यस्थता में हुए इस समझौते के तहत हमास ने बचे हुए 20 बंधकों को रिहा कर दिया, जबकि इजरायल ने दर्जनों फलिस्तीनी कैदियों

और बंदियों को रिहा कर दिया। इजरायली सेना ने पुष्टि की कि रेड क्रॉस द्वारा गाजा से सभी बंदियों को स्थानांतरित करने के बाद उन्हें वापस ले लिया गया है, जिससे तेल अवीव के होस्टेज स्क्वायर में जश्न का माहौल बन गया है। एक मिस्र के अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि इज़राइल द्वारा रिहा किए गए 154 फ़िलिस्तीनी कैदियों को मिस्र भेज दिया गया है। ये कैदी उन 1,900 से ज़्यादा फ़िलिस्तीनियों में शामिल हैं जिन्हें इज़राइल ने हमास द्वारा अपने शेष बंधकों की रिहाई के बदले रिहा किया है। इस अधिकारी ने, जो इस समझौते के कार्यान्वयन की प्रत्यक्ष जानकारी रखते हैं, बताया कि रिहा किए गए कैदियों को इज़राइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौते के तहत तीसरे देशों में भेजा जाना था। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर यह बात कही क्योंकि उन्हें मीडिया को जानकारी देने का अधिकार नहीं था। इस बीच, अन्य फ़िलिस्तीनी कैदी अपनी रिहाई के बाद गाज़ा पहुँच गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इज़राइली संसद को संबोधित करते हुए गाज़ा में हाल ही में हुए युद्धविराम की सराहना करते हुए कहा कि फ़िलिस्तीनी लोगों को आतंकवाद और हिंसा से दूर रहने का विकल्प चुनना चाहिए। उन्होंने कहा फ़िलिस्तीनियों के लिए विकल्प इससे ज़्यादा स्पष्ट नहीं हो सकता। यह उनके लिए आतंक और हिंसा के रास्ते से हमेशा के लिए हटने का मौका है।

पीएम मोदी ने ट्रंप की कोशिशों को सराहा, नेतन्याहू को भी दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमास द्वारा इस्राइली बंधकों की रिहाई पर खुशी जताते हुए डोनाल्ड ट्रंप की कोशिशों की सराहना की। साथ ही इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को बधाई भी दी। पीएम मोदी ने कहा कि यह आजादी उनके परिवारों की हिम्मत, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति के लिए ईमानदार कोशिशों और इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू की मजबूत इच्छाशक्ति को समर्पित है। पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप के प्रयासों का समर्थन किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइली संसद में कहा कि अगर हमें युद्ध करना पड़ा, तो हम इसे इस तरह जीतेंगे जैसे किसी ने पहले कभी नहीं जीता। हम राजनीतिक रूप से सही होने की चिंता नहीं करेंगे।

C M Y K

मुख्यमंत्री ने बेमेतरा विधानसभा वासियों को 350 करोड़ रूपये से अधिक के राशि के विकास कार्यों के लिए की घोषणा, विधायक साहू ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

बेमेतरा। बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रथम बेमेतरा आगमन पर भव्य लोकार्पण एवं भूमिपुजन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने 140 करोड़ 96 लाख 09 हजार रुपये की लागत से 47 से अधिक विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर जिले की जनता को बड़ी सौगात दी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ उपमुख्यमंत्री डॉ. अरुण साव, कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल, मंत्री राजेश अग्रवाल, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद विजय बघेल, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, रजक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, साजा विधायक ईश्वर साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, एसपी एवं नगर-क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने अपने ऊर्जावान संबोधन से जनसमूह में उत्साह भर दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की जय और भारत माता की जय के उदघोष के साथ अपने उदबोधन की शुरुआत की और कहा की हमारे बीच छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय साक्षात् विष्णु भगवान के रूप में उपस्थित हैं।

उनका यह आगमन हमारे जिले के लिए सौभाग्य, आशीर्वाद और ऊर्जा का संचार है। विधायक साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बेमेतरा जिले का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो रहा है। उन्होंने कहा कि केवल आसपास के गांवों से ही नहीं, बल्कि दुर्ग, धमधा, दारगांव, कंडरका जैसे 70 किलोमीटर दूर के क्षेत्रों से भी लोग मुख्यमंत्री के दर्शन और आशीर्वाद के लिए पहुंचे हैं।

मैं विधायक नहीं, क्षेत्र का सेवक हूँ : दीपेश साहू

विधायक साहू ने कहा मैं विधायक नहीं बल्कि क्षेत्र का सेवक हूँ। जनता की हर समस्या मेरी अपनी है। मुख्यमंत्री हमारे लिए भगवान तुल्य हैं, जो बिना कहे ही जनहित के कार्यों को पूरा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज जो मांगें उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष रखी हैं, वे केवल उनकी व्यक्तिगत मांग नहीं, बल्कि पूरे जिले की जनता की आवाज़ हैं। साहू ने बताया कि जिस जल परियोजना के लिए पूर्व विधायक स्व. महेश तिवारी ने संघर्ष किया था, उस दिशा में भी मुख्यमंत्री ने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों की तरह हर वादा निभा रही है। यह सरकार वादों की नहीं, कार्यों की सरकार है। विधायक दीपेश साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा मुख्यमंत्री जी ने जिस आत्मीयता और संवेदनशीलता से बेमेतरा जिले को विकास की नई दिशा दी है, उसके लिए मैं समस्त जिलेवासियों की ओर से उनका हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बेमेतरा को जो नई पहचान और प्रगति का मार्ग मिला है, वह आने वाले समय में इतिहास बनेगा। विधायक साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा बेमेतरा जिले को 350 करोड़ से अधिक की अतिरिक्त विकास सौगातें दी गई हैं, जिनमें अमोरा बैराज परियोजना एवं 6 विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना प्रमुख हैं। साथ ही उन्होंने केंद्रीय विद्यालय, सेंट्रल लाइब्रेरी (नालंदा परिसर) तथा 8 करोड़ की लागत से बनने वाले खेल मैदान की सौगात के लिए उपमुख्यमंत्री डॉ. अरुण साव का भी हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

लावारिस मवेशियों से धान फसल को नुकसान साल्हे मन्होरा के किसानों का मुआवजे की मांग

डोंगरगांव नगर। अंचल के ग्राम साल्हे मन्होरा के किसानों ने अन्य गांवों से आए लावारिस पशुओं द्वारा फसलों को चपत कर देने की शिकायत की है। ग्रामीणजन कृषि को हुए नुकसान पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीण किसानों ने फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे की मांग करते हुए स्थायी समाधान की मांग की है। इस संदर्भ में सरपंच चंद्रिका कंवर उपसरपंच अजय साहू ने पॉयनियर को बताया कि आसपास के गांवों से आए आवारा मवेशी खेतों में घुसकर खड़ी फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। सरपंच एवं उपसरपंच ने कहा है कि जल्द ही इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो किसान आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने प्रभावित किसानों को प्रशासन से तत्काल सर्वे कराकर किसानों को मुआवजा प्रदान करने तथा पशुओं की रोकथाम के लिए स्थायी प्रबंध करने की मांग की है। ज्ञापन देने के दौरान सरपंच चंद्रिका कंवर, उपसरपंच अजय साहू, जनपद सदस्य अंजली घावडे, सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र कंवर, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष गंगाराम साहू, सुखराम भुआर्य, पुराणिक साहू, कोटवार दरबारी गंधर्व, आकाश मेश्राम सहित बड़ी संख्या में साल्हे मनहोरा के ग्रामीण उपस्थित थे।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया गया

दल्लीराजहरा। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन वार्ड क्रमांक 03 दल्ली राजहरा में किया गया। यहाँ मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा के अध्यक्ष तोरण लाल साहू थे, विशेष अतिथि मनोज दुबे उपाध्यक्ष, पार्षद विरेंद्र साहू, रमेश मित्तल, कैलाश छाजेड़ थे। स्वास्थ्य सुपरवाइजर रेखू राम साहू ने शिविर के उददेश्य को बताया कि छुपी हुई बीमारियों को जांच खोज करके चिन्हाकित करना एवं प्राथमिक उपचार करना है गंभीर स्थित में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डौण्डी रेफर करना। एड्स के फैलाव एवं बचाव के विषय में विस्तार से जानकारी दिया। मुख कैसर, स्तन कैंसर, उच्च रक्तचाप, शुगर से बचाव के विषय में जानकारी दिया गया। तोरण लाल साहू ने वार्डवासीयों को कहा स्वास्थ्य विभाग की अमला आपके द्वार आया है, आप सभी लोग अपना स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य करायें व सरकार की योजनाओं का भरपूर लाभ लें। देश के प्रधानमंत्री ने विकसित भारत की कल्पना की है, यह तभी संभव है जब देश की नारी स्वस्थ एवं सशक्त होगी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग ने 52 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। आयोजन में डॉ. पी.राठौर, प्रशांत, प्रीति डेविड, सूत्र समाज संस्था का सहयोग रहा, मितानिनगण, स्वास्थ्य कर्मचारीगण उपस्थित थे।

प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के मित्र रहें है महंत राम गोपाल दास : डॉ सौरव निर्वाणी

महंत रामगोपाल दास महाराज छत्तीसगढ़ के सबसे लंबी आयु के वैष्णव संत

बेमेतरा। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी एवं महंत सुरेन्द्र दास महाराज ने देवरघटा आश्रम पहुँचकर छत्तीसगढ़ के सर्वाधिक वयोवृद्ध एवं संत, महंत श्री श्री 108 रामगोपाल दास महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। 117 वर्ष की दुर्लभ आयु में भी सक्रिय महाराज का यह दीर्घायु जीवन उनकी सनातन आस्था, अनुशासन और भक्ति का जीवंत परिणाम है। रामगोपाल दास महाराज का जीवन छत्तीसगढ़ की वैष्णव परंपरा और संत संस्कृति का जीवित इतिहास माना जाता है। वे भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के मित्र और आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी रहे हैं।

ऐतिहासिक उल्लेख है कि राष्ट्रपति पद पर रहते हुए भी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने दूधाधारी वैष्णव मठ, रायपुर में पधारकर रामगोपाल दास से साक्षात् भेंट की थी। इस पावन अवसर पर डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा, महंत रामगोपाल दास महाराज छत्तीसगढ़ की संत परंपरा के जीवंत प्रतीक हैं। उनका जीवन संतत्व, सादगी और सेवा का आदर्श उदाहरण है। धर्म स्तंभ काउंसिल स्वयं को अत्यधिक सौभाग्यशाली मानती है कि हमें उनके दर्शन और आशीर्वाद का अवसर मिला। डॉ. निर्वाणी ने इस भेंट के दौरान आगामी चौंसठ महंत उत्सव में महाराज को सादर आमंत्रित भी किया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव छत्तीसगढ़ के मठ-मंदिरों और संत परंपरा की एकता, गरिमा और स्वाभिमान का प्रतीक होगा। महंत सुरेन्द्र दास महाराज ने इस आध्यात्मिक मुलाकात पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, देवरघटा आश्रम के महाराज छत्तीसगढ़ की साधु परंपरा के वटवृक्ष हैं। उनका सान्निध्य और मार्गदर्शन हम सबके लिए आध्यात्मिक प्रेरणा और दिशा का स्रोत है। इस अवसर पर धर्म स्तंभ काउंसिल के अन्य प्रतिनिधियों के साथ-साथ वैष्णव परंपरा से जुड़े अनेक साधु-संत भी उपस्थित रहे।

भाजपा डौंडी मंडल ने आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी संकल्प पर कार्यशाला आयोजित किया

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी डौंडी मंडल के शक्ति केंद्र डौंडी के सामुदायिक भवन मे प्रदेश भाजपा के आदेशानुसार एवं जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख के मार्गदर्शन पर आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी संकल्प कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रभारी एवं मुख्य वक्ता श्याम जायसवाल रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा दस वर्ष पूर्व, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का आव्हान किया, एक ऐसे भारत का दर्ष्टिकोण जो आत्मनिर्भर सशक्त और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो। आत्मनिर्भर भारत केवल आर्थिक शक्ति का प्रतीक नहीं है यह स्वदेशी आत्मनिर्भर और अपनेपन के गौरव की भावना है, जो एक समय

वैश्विक चुनौतियों के उत्तर के रूप में शुरू हुआ था, वह एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है जो हर भारतीय को वोकल फॉर लोकल की ताकत और लोकल से ग्लोबल की यात्रा पर विश्वास करने के लिए प्रेरित करता है। इन दस वर्षों में आत्मनिर्भर भारत ने उद्योगों को नई ऊर्जा दी है, स्थानीय निर्माण को बढ़ावा दिया है, एमएसएमई को सशक्त किया है, स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित किया है। और रक्षा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, कृषि तथा स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में मजबूती और लचीला पन विकसित किया है। वोकल फॉर लोकल का आव्हान नागरिकों के लिए भारत के अपने उत्पादों और नवाचारों पर विश्वास करने उन्हें अपनाने और उनका प्रचार प्रसार करने का जन आंदोलन बन गया है इसका सार हर घर स्वदेशी घर घर स्वदेशी में निहित है। जब प्रत्येक घर अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी को अपनाता है, तो यह हमारे किसानों कारीगरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्ट-अप्स को सशक्त बनाता है। जब हर घर स्वदेशी बनता है, तब भारत और भी मजबूत हो जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष डॉ.रुपेश कुमार नायक ने किया कार्यक्रम के संयोजक संजीव मानकर ने स्वागत भाषण मे सभी अतिथियों एवं मंडल के समस्त शक्ति केंद्रों एवं बूथों से आएं कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। नगर पंचायत डौंडी की अध्यक्ष मोहन्तिन चौरका ने सभी कार्यकर्ताओं को हर घर घर घर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संकल्प एवं शपथ दिलाई ताकी हमारा देश आत्मनिर्भर बन सके। इस पूरे अभियान में विशेष रूप से मंडल के महामंत्री हिन्छा राम साहू व महावीर ठाकुर उपाध्यक्ष राजेंद्र पिन्टू नहार चंद्र लेखा पायला जगत राम यादव, पूर्व महामंत्री अजय चौहान रामनरायण धनकर महिला मोर्चा अध्यक्ष रजनी जायसवाल, निलेश जायसवाल, नेमी सेन, लक्षमण चक्रधारी, मातरमदास कोसरे भुखऊ राम साहू, दिन दयाल साहू, पार्षद गण यदुनंदन देवहारी अनिल निर्मलकर, हितेंद्र धनकर, प्रशांत नेताम, अमरिका ठाकुर एवं समस्त कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

नालंदा परिसर का विधायक दीपेश साहू ने किया भूमिपूजन

बेमेतरा मे आधुनिक अध्ययन केंद्र, 4 करोड़ 71 लाख की लागत से होगा निर्माण

बेमेतरा। नगर पालिका क्षेत्र स्थित पीजी कॉलेज परिसर मे प्रस्तावित नालंदा परिसर (सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन) का भूमिपूजन बेमेतरा विधायक दीपेश साहू द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना और नारियल तोड़कर किया गया। लगभग 4 करोड़ 71 लाख की लागत से बनने वाला यह अत्याधुनिक 250 सीटर लाइब्रेरी परिसर बेमेतरा शहर के विद्यार्थियों और ज्ञानप्रेमी नागरिकों के लिए एक नया अध्ययन केंद्र साबित होगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। भूमिपूजन के पश्चात विधायक दीपेश साहू ने अपने उदबोधन में कहा कि बेमेतरा में निरंतर विकास कार्यों की स्वीकृति दी जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने जनसेवा और शिक्षा सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। साहू ने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा नालंदा परिसर युवाओं के लिए अध्ययन और आत्मविकास का केन्द्र बनेगा। विद्यार्थी इसका अधिकतम लाभ लेकर अपना भविष्य संवारें। उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि नालंदा परिसर का निर्माण समयपूर्व और उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए ताकि यह परिसर शहर की शैक्षणिक गरिमा के अनुरूप विकसित हो सके। विधायक साहू ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी धरातल पर उतार रहे हैं। जैसे प्राचीन तक्षशिला और नालंदा विश्वविद्यालयों ने विश्व को दिशा दी, वैसे ही प्रदेश सरकार नई पीढ़ी को ज्ञान और अवसर प्रदान करने निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद विष्णु देव साय ने पीएससी घोटाले की जांच कराकर युवाओं के साथ न्याय सुनिश्चित किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा राजेंद्र शर्मा नगर पालिका के पार्षदगण पंचू साहू विकाश तम्बोली गौरव साहू नीतू कोठारी निखिल साहू आकिब मलकानी चांदनी रोशन दत्ता राजकुमार खांडे युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष परमेश्वर वर्मा संदीप यादव प्रेमलता नेमा गुप्ता रेवा राम निषाद मीनू पटेल दीनानाथ साहू राकेश वर्मा कमलेश वर्मा शिक्षक जीतेन्द्र कुमार बारले बिआर सर खान सर दुर्गा खांडेल डॉ डोसन साहू राजश्री साहू नर्मदा खुटियारे पुन्नी कवेटिया पायल साहू नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी, शिक्षाविद्, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

पुलिस की सघन जांच अभियान जारी : होटलों, ढाबों, लॉज और किरायेदारों के आधार कार्ड की सख्त जांच

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह और एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु बेमेतरा पुलिस द्वारा एक विशेष सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों, सायबर सेल टीम तथा पुलिस स्टाफ द्वारा होटल, ढाबा, लॉज, वाहन एवं आधार कार्ड की गहनता से जांच की जा रही है। अवैध शराब, गांजा, नशीले पदार्थों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है, साथ ही फरार वारंटियों, गुंडा बदमाशों, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर भी कार्रवाई जारी है। शहर के प्रमुख चौराहों पर वाहनों की जांच शुरू की गई है। पेट्रोलिंग पार्टियां निरंतर गश्त कर रही हैं। होटल, लॉज, ढाबा, डेरा, किराये के मकानों एवं अन्य स्थानों में ठहरने वाले यात्रियों के आधार कार्ड की जांच की गई, जिसमें सभी दस्तावेज सही पाए गए हैं। यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। साथ ही, समाधान ऐप के माध्यम से मकान मालिकों एवं होटल/लॉज संचालकों को यह निर्देशित किया गया है कि वे किरायेदारों एवं रुकने वाले यात्रियों का डाटा अनिवार्य रूप से ऐप में अपलोड करें। इसके अलावा सशक्त ऐप के माध्यम से गुम या चोरी हुए वाहनों की पहचान हेतु वाहन चेकिंग की जा रही है। आम जनता से अपील की गई है कि अजनबी व्यक्तियों को अपने गांव या घर में बिना सूचना के न ठहरने दें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत निकटतम पुलिस थाना को दें।

बारगांव के 08 प्रतिभावान खिलाड़ियों का हुआ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता में चयन

अंडर 17 वर्ग बालक/ बालिका कोरबा में करेंगे अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन

बेमेतरा। खेल गांव बारगांव के छात्र-छात्राएं हॉकी खेल में अपनी खास पहचान बना रही है, ये खिलाड़ी न सिर्फ बारगांव के लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय हैं। बारगांव की हॉकी की नर्सरी नई प्रतिभाओं को निखारने और भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, बच्चों की तुलना यूं ही नहीं आने वाले सुनहरे कल से की जाती है, ये बच्चे ही होते हैं जो अपने परिवार, अपने क्षेत्र और राज्य सहित देश का सुनहरा भविष्य सुनिश्चित करते हैं। पुनः खेल गांव बारगांव अंचल से 08 खिलाड़ियों ने ऐसा ही कुछ किया है, 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन कोरबा में 12 से 15 अक्टूबर तक आयोजित

होनी जा रही है, जिसमें बेरला ब्लॉक के अंतर्गत खेल गांव बारगांव से हॉकी खेल में 04 बालक एवं 04 बालिकाओं का चयन राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता अंडर 17 वर्ग के लिए हुआ है, चयनित होने वाले खिलाड़ी अंडर 17 (बालक वर्ग) में चिंताराम पटेल कक्षा 11वी, करण लाल कक्षा 10 वी, ओमकार निषाद कक्षा 10 वी, कुलदीप कुमार कक्षा 10 वी (हाई स्कूल खर्रा), अंडर 17 (बालिका वर्ग) में लोकेश्वरी साहू कक्षा 10 वी, ममता पाल कक्षा 10 वी, कावेरी साहू कक्षा 10 वी, खुशी कुर्रे कक्षा 10 वी इन सभी खिलाड़ियों ने राजनादगांव में अयोजित संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता के खेल मैदान में अपने-अपने कलात्मक, रचनात्मक और उम्दा खेल का दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों व निर्णायकों को अपने तरफ आकर्षित कर सराहना प्राप्त की और उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर राज्य स्तर पर चयनित होने का गौरव प्राप्त किया। सभी खिलाड़ी दुर्ग जोन का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने उम्दा खेल का प्रदर्शन करेंगे और अपने गांव सहित जिले का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज कराएंगे। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ को 05 जोन में बाटा गया। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बस्तर एवं सरगुजा के बीच रोचक एवं कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

खेल गांव बारगांव की मिट्टी में हॉकी खेल का जुनून रचा-बसा व्यायाम : तुलसी साहू

इस अवसर पर व्यायाम शिक्षिका (कोच) तुलसी साहू ने चयनित सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल गांव बारगांव की मिटटी में हॉकी खेल का जुनून रचा-बसा है, यह एक गौरव का क्षण है, कोरबा में आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में 08 खिलाड़ियों का चयन होना खेल गांव बारगांव अंचल सहित जिले वासियों के लिए बड़ी उपलब्धि है चयनित सभी खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और परिश्रम का सूखत परिमाण है, सभी खिलाड़ियों ने संभाग स्तर में अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया इनकी यह सफलता खिलाड़ियों के माता, पिता, विद्यालय और जिले के लिए गर्व की बात है, इनकी इस उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों को प्रेरणा देगी, खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो खिलाडियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना का विकास करती है, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। सभी खिलाड़ी दुर्ग जोन का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने उम्दा खेल का प्रदर्शन करेंगे। प्राचार्य तीक्ष्ण साहू ने खिलाड़ियों की इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय की व्यायाम शिक्षिका तुलसी साहू के कड़ी मेहनत और परिश्रम से उनके कुशल मार्गदर्शन में छात्र-छात्राएं निरंतर खेल में आगे बढ़ रहे है, बच्चे खेल में नई कीर्तिमान स्थापित कर विद्यालय का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा रहे है, पिछले वर्ष की भाती इस वर्ष भी बारगांव हॉकी मैदान से 20 बच्चों का चयन राज्य स्तर पर होना गौरवान्वित की बात है, छात्र-छात्राओं की यह उपबल्धि न केवल विद्यालय सहित पूरे अंचल के लिए गर्व की बात है, विद्यालय के समस्त शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं की सफलता पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कमाना की।

बगैर अनुज्ञप्तिधारी व्यक्तियों द्वारा पटाखा विक्रय पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई : कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी चंद्रकांत कौशिक द्वारा इस दीवाली पर्व के दौरान जन सुरक्षा और जन स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए पटाखा व्यवसाय पर निगरानी रखने हेतु अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को निर्देश जारी किया गया है। जारी निर्देश के अनुसार विस्फोटक अधिनियम 1984 में निहित प्रावधानों के तहत नियमानुसार आवेदन प्रस्तुत करने वाले व्यक्तियों को जिला दण्डाधिकारी कार्यालय से विभिन्न शर्तों के अधीन प्रारूप-एल-ई. में पटाखे को कब्जे में रखने एवं दुकान पर उनके विक्रय करने के लिए अनुज्ञप्ति निर्धारित समय-सीमा के लिये प्रदाय किया जाएगा। जिसके अंतर्गत किसी भी परिस्थिति में बगैर अनुज्ञप्तिधारी व्यक्तियों द्वारा पटाखा, विस्फोटक सामग्री का विक्रय ना किया जाए, ऐसा करते पाये जाने पर तत्काल विस्फोटक सामग्री जप्ति कर विस्फोटक अधिनियम 1984 में निहित प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। अस्थाई अनुज्ञप्ति को प्रतिवर्ष नवीनीकरण कराने का प्रावधान है, जिसकी वैधता 31 मार्च तक रहती है एवं अस्थाई अनुज्ञप्ति 31 मार्च 2025 को समाप्त हो चुकी है। नवीनीकृत अनुज्ञप्ति प्राप्त किए बगैर पटाखा व्यवसाय करते पाये जाने पर विधिवत कार्यवाही की जाएगी। प्रशासन द्वारा निर्धारित स्थल पर ही दुकान लगाया जाए। अनुज्ञप्तिधारी व्यवसायी द्वारा अनुज्ञप्ति में उल्लेखित सभी शर्तों का पालन किया जाए, निर्देशों के उल्लंघन करने की स्थिति में अनुज्ञप्ति निरस्ती का प्रस्ताव भेजा जाएगा। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी जिले के सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को जारी किए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन कराना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाईक चोर पकड़ाया,आसाजिक तत्वों पर भी कार्यवाही

रायपुर। जिले की थाना डोंगरगांव पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से चोरी का वाहन जब्त किया गया है। वहीं पुलिस ने दो असमाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी समित कुमार पिता शिवाकांत दीक्षित, उम्र 27 साल, निवासी ग्राम सिनेमा लाईन डोंगरगांव, द्वारा दिनांक 09.10.2025 अपने घर सिनेमा लाईन डोंगरगांव से मे रखे मोटर सायकल बजाज प्लेटिना क्रमांक जेडवाय 08के1793 की चोरी होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई जिसपर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना डोंगरगांव में धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले में थाना प्रभारी डोंगरगांव निरीक्षक कृष्णा पाटले एवं टीम के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करते हुये प्रकरण में आरोपी दुर्गेश देवांगन उर्फमुसुवा को पकड़कर घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा मोटर सायकल चोरी की उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। जिस पर आरोपी दुर्गेश देवांगन उर्फ मुसुवा को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की मोटर सायकल बजाज प्लेटिना वाहन को जप्त कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। साथ ही आगामी त्यौहार सीजन के मद्देनजर थाना क्षेत्र में उत्पात मचाने वाले असमाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर अनावेदक अंगद बारमाटे पिता ताराचंद बारमटे, उम्र 40 साल, निवासी ग्राम बगदई, थाना डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव तथा आकाश ठाकुर पिता फागू राम उम्र 19 साल निवासी सालिकझीटीया थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव के विरूद्ध धारा-170/126,135(3) बीएनएसएस के तहत ईस्तगासा तैयार कर माननीय एसडीएम न्यायलय में पेश कर जेल भेजा गया है।

चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला बदमाश पकड़ाया

रायपुर। पुलिस ने चाकू लहराकर लोगों में दहशत फैलाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से धारदार चाकू बरामद बरामद किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत कार्यवाही की गई है। बता दें कि धमतरी पुलिस द्वारा आगामी त्यौहार को मद्देनजर रखते हुए एवं अपराध नियंत्रण एवं शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु धमतरी शहर में एवं थाना क्षेत्रों में सतत पेट्रोलिंग की जा रही है। इसी दौरान थाना सिटी कोतवाली धमतरी की पेट्रोलिंग टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति आमातालाब स्थित इंडोर स्टेडियम परिसर में हाथ में धारदार चाकू लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है। पुलिस टीम द्वारा तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई, जहाँ एक युवक चाकू लहराते हुए लोगों में दहशत फैला रहा था। टीम ने उसे पकड़कर पूछताछ की, जिस पर उसने अपना नाम प्रदीप बंजारे पिता महेश बंजारे उम्र 25 वर्ष, निवासी रामसागर पारा, जैतखाम के पास धमतरी बताया। जिसके बाद तलाशी लेकर आरोपी के कब्जे से एक धारदार बटंची चाकू बरामद किया गया और आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली धमतरी में अपराध दर्ज कर धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया तथा उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। आरोपी आदतन बदमाश है।

त्यौहारी सीजन में एवरग्रीन चौक शास्त्री बाजार मार्ग को नगर निगम ने सडक को करवाया कब्जा मुक्त

रायपुर। टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं नगर निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार चलाये जाने वाले अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र जोन क्रमांक 4 अतर्गत गोलबाजार एंट्री मुख्य मार्ग आर. एस. शुक्ला मार्ग से चिकनी मंदिर मालवीय रोड होकर जवाहर बाजार होते हुए एवरग्रीन चौक शास्त्री बाजार मुख्य मार्ग तक जनहित में जनसुविधा हेतु नागरिकों को मुख्य बाजार क्षेत्र मार्गो में सुगम आवागमन उपलब्ध करवाने अभियान नगर निगम के नगर निवेशक श्री आभाष मिश्रा और नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव के मार्गदर्शन उप अभियंता नगर निवेश श्री हिमांशु चंद्राकर की उपस्थिति में चलाया गया। नगर निगम जोन 4 नगर निवेश विभाग की टीम और निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता की टीम द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए आरएस शुक्ला मार्ग में मुख्य मार्ग एंट्री पाइंट गोलबाजार मार्ग के दोनो ओर और जवाहर बाजार मार्ग होकर एवर ग्रीन चौक शास्त्री बाजार मार्ग तक लगभग 15 अवैध ठेलों के कब्जे को हटाया गया और मार्ग के किनारे लगभग 10 पसरा व्यापारियो द्वारा सडक पर कब्जा जमाकर रखे गये सामानों को व्यवस्था सुधारने नियमानुसार कडाई के साथ जप्त कर लिया गया। अभियान से गोलबाजार एंट्री पाइट मुख्य मार्ग से चिकनी मन्दिर जवाहर बाजार मार्ग होकर एवरग्रीन चौक शास्त्री बाजार मुख्य मार्ग के यातायात जाम की समस्या दूर हुई और नागरिको और व्यापारियों को बाजार मुख्य मार्ग में सुगम आवागमन टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत त्वरित रूप से राजधानी शहर रायपुर में उपलब्ध हुआ।

अवैध शराब तस्करी और बिक्री पर कसा शिकंजा

रायपुर। जिले में अवैध शराब के खिलाफपुलिस की मुहिम तेज हो गई है। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को स्कूटी से शराब परिवहन करते हुए रंगे हाथ पकड़ा, जबकि दूसरे मामले में अवैध रूप से शराब बेचने वाले पर भी कानूनी शिकंजा कसा गया। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने और पिलाने के 37 मामलों में भी कार्रवाई की गई है। सिहावा रोड स्थित शराब दुकान से अवैध शराब ले जा रहे युवक को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। कोतवाली थाना पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी मुकेश कुमार नागेश (उम्र 33 वर्ष), निवासी साल्हेवार पारा, धमतरी को स्कूटी क्रमांक छ्त्त-05-क्क-2249 के साथ पकड़ा। उसके पास से 30 पौवा (5.4 लीटर) देशी प्लेन शराब, जिसकी कीमत 2,400 रुपये है, के साथ वाहन और दस्तावेज जब्त किए गए। कुल जब्त संपत्ति की कीमत करीब 12,400 रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफआबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। थाना भखारा पुलिस को सूचना मिली कि जुनवानी गौठान के पास एक व्यक्ति अवैध शराब बेच रहा है। तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके से मोहनलाल ध्रुव (उम्र 30 वर्ष) निवासी डाही, थाना कुरूद को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 15 पौवा देशी प्लेन शराब (कीमत 1,350 रुपये) और 750 रुपये नकद बरामद किए गए। आरोपी पर आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(ख) के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में दिखाई सख्ती

जनहित के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी-विष्णुदेव साय

- राज्य एवं केन्द्र शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे
- बस्तर संभाग के मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष अभियान चलाया जाए

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में रविवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित के नए मानक तय किए गए। बैठक की शुरुआत निर्धारित समय से पहले हुई, जिसने पूरे प्रशासन को मुख्यमंत्री की वर्क-डिसिप्लिन और परिणाम केंद्रित कार्यशैली का सीधा संदेश दिया। बैठक में मुख्य सचिव श्री विकास शील, सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने प्रारंभ से ही स्पष्ट कर दिया कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम लाभ जनता तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचना ही सुशासन का वास्तविक अर्थ है और इस दिशा में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कॉन्फ्रेंस केवल समीक्षा बैठक नहीं, बल्कि जनहित के नए मानक तय करने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि जिलों में योजनाओं के क्रियान्वयन में परिणाम दिखाई देने चाहिए, केवल रिपोर्टों में नहीं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स कांफ्रेंस में कहा कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम उद्देश्य आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच आपकी उपस्थिति और संवेदनशीलता ही आपकी पहचान है।

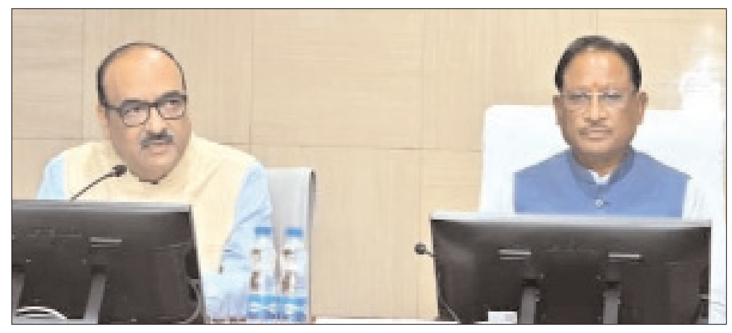

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी और इसकी सभी तैयारियाँ समय पर पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सीधे कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। धान खरीदी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक धान खरीदी केंद्र की मॉनिटरिंग हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभारी सचिव जिलों में लगातार निगरानी रखें और संवेदनशील केंद्रों की विशेष मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीदी की चौकसी बढ़ाने के लिए अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उपयोग किया जाएगा। इससे जिलों में निगरानी तेज होगी और किसी भी गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई संभव होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि अंतरराज्यीय सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि बाहर से धान की अवैध आवाजाही को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन जनजातीय इलाकों में विशेष शिविरों के माध्यम से 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भी पात्र किसान वंचित न रहे, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी पात्र किसानों को लाभ पहुँचना चाहिए। उन्होंने कमिश्नरों को निर्देश दिया कि बस्तर और सरगुजा सम्भाग में विशेष रूप से योजना की प्रगति की सतत समीक्षा करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुँचे। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों को बैंक फाइनेंस की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराई जाए, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे।

गौठानों को बंद करने का परिणाम है जामपाली की घटना:विनोद चंद्राकर

- भाजपा ने गौठानों को बंद कर मवेशियों को सड़क पर बैठने किया मजबूर

रायपुर/ संवाददाता

नेशनल हाइवे में पिथौरा के समीप ग्राम जामपाली में मवेशियों के कारण घटित दुर्घटना में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने इसे भाजपा सरकार द्वारा दुर्भावना पूर्वक गौठानों को बंद करने का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि आज गौठान बंद होने से नेशनल हाइवे सहित शहर से लेकर गाँवों के सड़कों में मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। जिसके चलते आए दिन गंभीर हादसे हो रहे हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद छत्तीसगढ़ में गौवंश बदहाल है। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार द्वारा संचालित गोधन न्याय योजना को बंद कर पशुओं को सड़क पर छोड़ दिया गया है। जिसके चलते आए दिन दुर्घटनाओं में गौवंशों की मृत्यु तथा राहगीरों के साथ अप्रिय घटनाएं घटित हो रही है। एक तरफ किसान घुमंतु पशुओं से परेशान हैं, वहीं जिला मुख्यालय के सड़कों पर मवेशी जगह-जगह झुंड में बैठे रहते हैं। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय

गौठानों में गाय, बैलों को रखकर उनके लिए चारा - पानी की व्यवस्था की जाती थी। गाय के गोबर से गौठान संचालन समिति के लिए आय का जरिया बना था। लेकिन, भाजपा ने पूरी व्यवस्था बिगाड़ कर गौ वंशों को सड़क पर छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गौ वंशों की संरक्षण के लिए गौठान जैसी बेहतरीन योजना लाकर गौ वंशों की सुरक्षा की। इस योजना के माध्यम से गोबर खरीदी, गौ मूत्र की खरीदी से गौ पालकों को अतिरिक्त आय का लाभ मिला। समूह की माताएं-बहनें वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाकर सशक्त हुई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 5 साल के कार्यकाल में गांव, गरीब, किसान की खुशहाली के लिए जो योजनाएं बनाई, वह सब भाजपा के आते ही बंद कर दी गई। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि भाजपा के साय सरकार ने पूर्ववर्ती भूपेश सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं को दुर्भावना पूर्वक बंद कर्र दया। भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ में 10 हजार से अधिक गोठान बनाए थे। जिसमें से लगभग 8 हज़ार गोठान आत्मनिर्भर बन चुके थे।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों से की आत्मीय भेंट.....

- अनुशासन और लगन को बताया सफलता का मंत्र

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव आज अपने अछोटी प्रवास के दौरान मुड़पार गांव में विद्यालय जा रहे विद्यार्थियों से अनौपचारिक रूप से मिले। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके शैक्षणिक अनुभवों, पढ़ाई की स्थिति तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। मंत्री श्री यादव ने बच्चों की जिज्ञासापूर्ण बातें सुनीं और उन्हें जीवन में अनुशासन, मेहनत एवं लगन को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है। जो विद्यार्थी अपने समय का सदुपयोग करते हैं, वही आगे चलकर समाज और देश की उन्नति में योगदान देते हैं। श्री यादव ने आगे कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास और समाज सेवा की भावना को भी विकसित करती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपने शिक्षकों का सम्मान करें, नियमित अध्ययन करें और अपने सपनों को साकार करने के लिए सदैव प्रयासरत रहें। इस दौरान मंत्री ने विद्यालयों की शिक्षकीय व्यवस्था, अध्ययन की स्थिति और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी भी ली। उन्होंने क्षेत्र के शिक्षकों और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करें, ताकि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थी भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित न रहें। मंत्री श्री यादव ने मुड़पार के विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति गंभीरता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि हर बच्चे को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिले। इसके लिए सरकार निरंतर विद्यालयों की बुनियादी सुविधाओं, शिक्षकों की उपलब्धता और डिजिटल संसाधनों के विस्तार पर कार्य कर रही है। मुलाकात के अंत में मंत्री श्री यादव ने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे निडर होकर अपने सपनों का पीछा करें। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने के लिए सरकार निरंतर योजनाएँ बना रही है।

शिक्षा राष्ट्र के भविष्य की नींव-बृजमोहन अग्रवाल

हर बच्चे तक सुलभ,शिक्षा पहुंचना हमारी प्राथमिकता:सांसद बृजमोहन

रायपुर। संवाददाता

शिक्षा हमारे राष्ट्र के भविष्य की नींव है। हमारा उद्देश्य है कि देश के हर बच्चे तक सुलभ, समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे। भारत को ज्ञान की महाशक्ति बनाने की दिशा में हम सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। यह कहना है रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल का नई दिल्ली संसद भवन में आयोजिती बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु बजट और नीतिगत पहलू विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर

शिक्षा मंत्रालय (स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग) के प्रतिनिधियों द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की समीक्षा पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बैठक में शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण जिनमें प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति योजनाएं, ढ्ढ और रोबोटिक्स जैसे नए विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करने की प्रक्रिया और समयरेखा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के विरुद्ध की गई कार्रवाई, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता के ऑडिट के लिए मौजूद तंत्र, शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु स्थापित 18 उत्कृष्टता केंद्रों की भूमिका और उपलब्धियां शामिल रही। इसके साथ ही पिछले पांच वर्षों में सीबीएसई की आय एवं व्यय का विस्तृत विवरण, सीबीएसई द्वारा दर्ज धोखाधड़ी के मामलों और उन पर उठाए गए सुधारात्मक कदम शामिल रहे।

24 अक्टूबर तक जेल में रहेंगे चैतन्य बघेल,रिमांड बढ़ी

रायपुर। शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की न्यायिक रिमांड कोर्ट ने बढ़ा दी गई है। चैतन्य बघेल अब 24 अक्टूबर तक जेल में ही रहेंगे। शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष अदालत ने चैतन्य बघेल को बड़ा झटका देते हुए उनकी न्यायिक रिमांड को 24 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है। बात दें कि ईडी की ओर से मामले की जांच के लिए और समय की मांग की गई थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद चैतन्य बघेल की न्यायिक हिरासत 24 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को 3 महीने के अंदर जांच पूरी करने कहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

दीपावली के पूर्व वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

- मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को समयबद्ध कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने दीपावली के पहले सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा। उन्होंने

कहा कि सभी कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ धरातल पर नजर आने चाहिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संयुक्त सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव भी समीक्षा बैठक में शामिल हुईं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने गोधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरित आवरण बढ़ाने हेतु एक समग्र कार्ययोजना तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने इसके लिए राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी भी नियुक्त करने को कहा। समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के लंबित विद्युत देयकों की समीक्षा की गई। श्री साव ने एनर्जी बिल ऑडिट की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए प्राप्त सुझावों के त्वरित क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने सरचार्ज एवं अतिरिक्त भार से होने वाले आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए निकायों के सीएमओ, लेखापाल व अभियंताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने बैठक में नवगठित नगरीय निकायों को आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के लिए अधोसंरचना मद, चुंगी कर अथवा अन्य स्त्रोतों से राशि स्वीकृत कर कार्य कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने नवीन निकायों को शीघ्र आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नालंदा परिसरों, अटल परिसरों तथा बजट में शामिल अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा भरपूर राशि प्रदान की जा रही है, अत: सभी अधिकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को इनका शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति, रिक्त पदों पर भर्ती, वर्गीकरण तथा सेट-अप रिवीजन पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

संपादकीय

खत्म हो संघर्ष

इस्राइल और हमास को लड़ते हुए दो साल हो गए। इस संघर्ष ने 65 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली और लाखों को विस्थापित कर दिया। इस बार अमेरिका ने शांति का प्लान तैयार किया है और दुनिया की नजरें इजिप्ट में हो रही वार्ता पर टिकी हैं। इस्राइल-फलस्तीन विवाद एक सदी से भी अधिक समय से सुलग रहा है। 1948 में इस्राइल के नक्शे पर आने के बाद यह इलाका कई युद्ध और संघर्ष देख चुका है, लेकिन मौजूदा संकट जितना लंबा कोई भी नहीं चला। इन दो बरसों के दौरान कई ऐसे मोड़ आए, जब लगा कि यह संघर्ष भयानक युद्ध का रूप लेकर पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में लेगा। शांति की राह में सबसे बड़ी रुकावट दोनों पक्षों का एक-दूसरे पर अविश्वास है। न इस्राइल को हमास पर भरोसा है और न अरब वर्ल्ड इस्राइल पर यकीन कर पा रहा है। संघर्षविराम के पिछले सारे प्रयास इसी वजह से किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाए। हालांकि इस बार बात अलग है। यह प्लान ट्रंप सरकार ने बनाया है, जो अभी तक इस्राइल को खुली छूट दिए हुए था। सबसे बड़ी बात, इसमें फलस्तीनी अथॉरिटी के लिए जगह छोड़ी गई है। अमेरिकी दबाव में ही सही, इस्राइल का इस बिंदु पर सहमत होना बड़ा बदलाव है। वहीं, हमास का प्लान को स्वीकार करते हुए बातचीत की मेज पर आना भी सकारात्मक कहा जा सकता है, क्योंकि अभी तक वह ऐसे प्रस्तावों को सिरे से खारिज करता रहा है। किसी भी बातचीत के सफल होने के लिए लचीलापन जरूरी है। अब उम्मीद ही की जा सकती है कि दोनों पक्ष समझदारी दिखाएंगे। यहां अहम है कि ट्रंप तुरंत कोई परिणाम चाहते हैं। उनके हिसाब से इस हफ्ते के आखिर तक पहले दौर की योजना पूरी हो जानी चाहिए। लेकिन शायद इतनी आशा पालना भी सही नहीं। इस्राइल और हमास के अलावा भी गाजा से जुड़े कई पक्ष हैं, और जब तक सभी संतुष्ट नहीं हो जाते, कोई नतीजा निकलना मुश्किल है। दुनिया को याद रखना चाहिए कि गाजा जियो-पॉलिटिकल एक्सपेरिमेंट की जगह नहीं है, जहां किसी प्लान की जोर-आजमाइश की जाए। यह 20 लाख से अधिक लोगों का घर है, जो दशकों से वैश्विक ताकतों के बीच पिसते आ रहे हैं। कहीं और रहने वालों को जो मिलता है - सम्मान, सुरक्षा और पहचान, यही इनकी भी मांग है।

भारतीय सेना द्वारा छह मोबाइल एके-630 बहु-नलिका वायु-रक्षा तोप प्रणालियों की आपात खरीद की घोषणा केवल एक तकनीकी अधिग्रहण नहीं, बल्कि एक व्यापक रणनीतिक संकेत है कि भारत अब अपने सीमांत क्षेत्रों और नागरिक आबादी को 'नए युद्ध के नए हथियारों' से बचाने के लिए ठोस और त्वरित कदम उठा रहा है। देखा जाये तो आधुनिक युद्ध की वास्तविकता अब केवल पारंपरिक टैंकों या मिसाइलों तक सीमित नहीं रही; छोटे आकार के ड्रोन, घूमकर वार करने वाले गोले, रॉकेट और मोर्टार अब अग्रिम मोर्चों से कहीं आगे, सीधे आबादी केंद्रों को निशाना बना सकते हैं। ऐसे में यह निर्णय सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हवा में गोलियों की दीवार खड़ी कर देगी भारत की नई तोप एके 630

(नीरज कुमार दुबे)

एके-630 प्रणाली की खासियत इसकी गति और सटीकता में निहित है। 30 मिमी की यह बहु-नलिका तोप प्रति मिनट 3,000 राउंड तक दाग सकती है– जो मूलतः हवा में गोलियों की दीवार खड़ी कर देती है। इसका 4 से 6 किलोमीटर का प्रभावी दायरा सीमित अवश्य है, परंतु इसके उद्देश्य– यानी अंतिम क्षण में आने वाले छोटे या कम ऊँचाई वाले हवाई खतरों को निष्क्रिय करना के लिए यह आदर्श है। इसे 'क्लोज-इन वेपन सिस्टम' कहा जाता है और यह नौसेना के युद्धपोतों पर पहले से ही सफलतापूर्वक उपयोग में है। अब इसे स्थल-आधारित, मोबाइल स्वरूप में अपनाना भारतीय थलसेना की वायु रक्षा क्षमताओं में निर्णायक वृद्धि है।

इस प्रणाली को तेज़ी से तैनात करने की क्षमता, सर्व-कालिक फायर कंट्रोल सिस्टम और 'आकाशतीर' वायु रक्षा नेटवर्क में एकीकरण इसे एक आधुनिक, नेटवर्क-संचालित युद्ध प्रणाली का अंग बनाते हैं। यह दर्शाता है कि भारतीय सेना अब एकीकृत वायु रक्षा नियंत्रण प्रणाली की दिशा में ठोस प्रगति कर रही है, जहाँ विभिन्न स्तरों की रक्षा प्रणालियाँ– लघु, मध्यम और दीर्घ दूरी की समन्वित रूप से कार्य करेंगी।

इस निर्णय की पृष्ठभूमि में हाल ही में शुरू की गई तीन अत्यधिक गतिशील क्यूआरएसएएम (क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल) रेजिमेंटों की खरीद प्रक्रिया भी है, जिसकी लागत लगभग 30,000 करोड़ रुपये बताई गई है। त्त्क्र्रू की 30 किमी से अधिक की मारक क्षमता और स्वदेशी विकास इसे भारत की 'मेक इन इंडिया' रक्षा नीति का प्रतीक बनाती है। एके-630 जैसे छोटे दायरे के प्रणालियों और क्यूआरएसएएम जैसी मध्यम दूरी की मिसाइल प्रणालियों का संयोजन भारत को एक 'मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस नेटवर्क' की दिशा में ले जा रहा है– जो न केवल सीमा क्षेत्रों बल्कि आंतरिक रणनीतिक ठिकानों और शहरी केंद्रों को भी सुरक्षित करेगा।

हम आपको बता दें कि यह पहल ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद अनुमोदित त्वरित खरीद तंत्र के अंतर्गत की जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान द्वारा तुर्की-निर्मित ड्रोन और चीनी मिसाइलों के समन्वित उपयोग ने भारत के रक्षा विश्लेषकों को यह सिखाया है कि भविष्य का युद्ध न केवल तीव्र होगा, बल्कि अत्यधिक तकनीकी और अप्रत्याशित भी। उस संघर्ष में भारत की मौजूदा बहु-स्तरीय वायु रक्षा प्रणाली ने प्रभावी भूमिका निभाई थी, परंतु उसने यह भी स्पष्ट कर दिया कि कम ऊँचाई वाले, तेज़ गति से बदलते हवाई खतरों से निपटने के लिए नई पीढ़ी की प्रणालियों की आवश्यकता अपरिहार्य है।

एके-630 की तैनाती इस दिशा में एक निर्णायक उत्तर है। इसकी 'स्मार्ट फायर' क्षमता– यानी लक्ष्य की गति, दिशा और ऊँचाई के आधार पर स्वचालित समायोजन, आधुनिक वायु रक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही सेना की योजना 'स्मार्ट और प्रोग्रामेबल गोला-बारूद' को एल-70 औरजेडयू 23एमएम तोपों के लिए अपनाने की है, जिससे पुराने हथियार भी आधुनिक रूप में पुनः उपयोगी हो सकें। यह न केवल तकनीकी दृष्टि से बुद्धिमानी है, बल्कि वित्तीय रूप से भी व्यवहारिक है।

देखा जाये तो भारतीय वायु रक्षा तंत्र अब तीन स्तरों पर सुदृढ़ होता दिखाई दे रहा है। पहला- आकाश, एमआर-एसएएम और एस-400 जैसी प्रणालियाँ, दूसरा- क्यूआरएसएएम जैसी स्वदेशी मिसाइलें और तीसरा- एके-630, एल-70,जेडयू-23 जैसे त्वरित प्रतिक्रिया तोप तंत्र। देखा जाये तो यह त्रिस्तरीय ढाँचा किसी भी संभावित 'स्वार्म अटैक' (झुंड में आने वाले ड्रोन या रॉकेटों के समवेत हमले) के विरुद्ध भारत को एक मजबूत रक्षात्मक कवच प्रदान करेगा।

इसके साथ एक और संकेत स्पष्ट है कि भारत अब 'प्रतिक्रिया' नहीं, बल्कि 'पूर्व-सक्रिय रक्षा' के चरण में प्रवेश कर रहा है। तेज़ खरीद, स्वदेशी प्रणालियों पर बल, और नेटवर्क-केंद्रित कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, ये सब मिलकर भारत की रक्षा नीति को एक नये युग में ले जा रहे हैं, जहाँ तकनीकी आत्मनिर्भरता और सामरिक तत्परता समानांतर रूप से विकसित हो रही हैं। बहरहाल, यह कहना उचित होगा कि एके-630 जैसी प्रणालियाँ केवल सीमाओं की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि एक व्यापक सामरिक संदेश हैं कि भारत अब 21वीं सदी के युद्ध-क्षेत्र की चुनौतियों को समझ चुका है और उनके समाधान के लिए निर्णायक कदम उठा रहा है। यह निर्णय न केवल तत्कालीन खतरों का उत्तर है, बल्कि भविष्य की संभावनाओं के प्रति एक स्पष्ट तैयारी का प्रतीक भी है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

करवाचौथ पर 16 श्रृंगार करने से भाग्य में होगी वृद्धि, अखंड सौभाग्य का मिलेगा वरदान

(ज्योति साह)

करवाचौथ के दिन सुहागिन महिलाओं द्वारा व्रत रखने के साथ-साथ सोलह श्रृंगार करने का भी खास महत्व होता है। मान्यता है कि सोलह श्रृंगार सौंदर्य बढ़ाने के साथ-साथ भाग्य में भी वृद्धि करता है और इससे करवा माता प्रसन्न होती हैं। श्रृंगार की हर वस्तु का अपना एक अलग महत्व होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, व्रत रखने वाली महिलाओं को श्रृंगार जरूर करना चाहिए। इससे भाग्य में वृद्धि होती है और वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है। करवाचौथ पर सोलह श्रृंगार करने से केवल सौंदर्य ही नहीं बढ़ता बल्कि इससे महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद भी प्राप्त हो सकता है।

करवाचौथ पर सोलह श्रृंगार करने का महत्वः मान्यता है कि करवाचौथ पर सोलह श्रृंगार करने से करवा माता प्रसन्न होती हैं और इस दिन व्रत रखने वाली महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होगा। ऋग्वेद के अनुसार, सोलह श्रृंगार महिलाओं का सौंदर्य बढ़ाने के साथ-साथ उनके भाग्य में भी वृद्धि करता है। पौराणिक मान्यता है कि सोलह श्रृंगार करने से पति की आयु लंबी होती है और दांपत्य जीवन सुखद बना रहता है। साथ ही, इसे श्रद्धा और समर्पण का भी प्रतीक माना गया है और सोलह श्रृंगार करने से करवाचौथ का व्रत भी पूर्ण होता है। श्रृंगार में हर एक वस्तु का अपना अलग महत्व होता है। मेहंदी पति-पत्नी के प्रेम का प्रतीक है, मंगलसूत्र मजबूत रिश्ते का और सिंदूर पति की लंबी आयु के लिए होता है।

सुहागिनों के लिए 16 श्रृंगार

* सिंदूर, मेहंदी * बिंदी- सौभाग्य का प्रतीक * मंगलसूत्र
* चूड़ियां * मांगटीका * आलता * काजल * नथ * पायल
* बिछिया * झूमके * साड़ी/नए वस्त्र * कमरबंद * बाजूबंद
* गजरा

करवा चौथ पर जरूर धारण करें ये श्रृंगारः सोलह श्रृंगार करना बहुत शुभ माना जाता है। लेकिन आज के समय में पूरे सोलह श्रृंगार कर पाना बेहद कठिन होता है। ऐसे में मान्यता है कि करवाचौथ पर अगर सुहागिन महिलाएं 16 श्रृंगार धारण न कर पाएं तो इन 6 श्रृंगार जरूर करने चाहिए।

सुहागिन महिलाओं को सिंदूर जरूर लगाना चाहिए। इसे शादीशुदा जीवन का प्रतीक माना जाता है, जिसका हिंदू धर्म में बेहद खास महत्व है। ऐसे में करवाचौथ के दिन सिंदूर जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है।

करवाचौथ के दिन व्रत रखने वाली सुहागिन महिलाओं को मंगलसूत्र जरूर पहनना चाहिए। इससे पति-पत्नी का रिश्ता मजबूत होता है और वैवाहिक जीवन में हमेशा खुशहाली बनी रहती है। इसे पति-पत्नी को आपस में जोड़ने वाला सूत्र माना गया है।

ऐसी मान्यता है कि करवाचौथ पर हाथों में मेहंदी लगवाने से पति और पत्नी के बीच का प्रेम गहरा होता है। साथ ही, मेहंदी के रंग को जीवनसाथी के प्रेम का प्रतीक भी माना गया है। इस श्रृंगार को करने से वैवाहिक जीवन सुखद बना रहता है। करवाचौथ पर चूड़ियां पहनने का खास महत्व होता है और इसे सुहाग का प्रतीक माना गया है। ऐसे में इस खास पर्व पर लाल, हरी, पीली, केसरिया आदि शुभ रंगों की चूड़ियां जरूर पहननी चाहिए। ऐसा करने से वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

इसे सुहाग का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में करवाचौथ के दिन बिछिया जरूर धारण करें। इसे केवल सुहागिन महिलाएं ही धारण करती हैं, जिसे भाग्यवर्धक भी माना जाता है। इससे वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। माना जाता है कि सुहागिन महिलाओं द्वारा बिंदी लगाने से नवग्रह शांत होते हैं, जिससे जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, बिंदी धारण करने से सुहागिन महिला का भाग्य सूर्य के समान चमक सकता है।

साहस, समर्पण और शक्ति का संगम भारतीय वायुसेना

(योगेश कुमार गोयल)

भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है।

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 93वां स्थापना दिवस मनाया। प्रत्येक वर्ष इस अवसर पर वायुसेना अपनी शक्ति, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस मौके पर आयोजित भव्य एयर शो भारतीय वायुसेना की क्षमताओं और सामर्थ्य का प्रतीक बन जाता है। आसमान में वायुवीरों के करतब, फाइटर जेट्स और हेलीकॉप्टर्स के समकालिक युद्धाभ्यास को देखकर हर दर्शक रोमांच और गर्व से भर उठता है। वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स भारतीय आकाश को सुरक्षित रखने की अभेद्य शक्ति प्रदान करते हैं। वहीं सारंग जैसे हेलीकॉप्टरों के शो स्टंट्स, प्रचंड और ध्रुव जैसे लाइट और एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स, सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक और जगुआर जैसी भारी मशीनें वायुसेना की बहुपक्षीय क्षमताओं का प्रदर्शन करती हैं। इन एयरक्राफ्ट की उच्च तकनीकी क्षमताएं न केवल देश की सुरक्षा की गारंटी हैं बल्कि इसे वैश्विक मंच पर सम्मान और प्रतिष्ठा भी दिलाती हैं। भारतीय वायुसेना दिवस का मुख्य उद्देश्य केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं है बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित करना भी है। एयर शो के माध्यम से युवा पीढ़ी वायुसेना की चुनौतीपूर्ण, साहसिक और सम्मानजनक भूमिका के बारे में जानती है और उनके मन में देश सेवा के प्रति उत्साह जागृत होता है। आज भारतीय वायुसेना न केवल सीमा रक्षा में सक्षम है बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता देने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। यह स्थापना दिवस भारतीय वायुसेना की समर्पित सेवा, साहस और तकनीकी दक्षता का उत्सव है, जो हमें यह याद दिलाता है कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव का सूर्य सदैव चमकता रहेगा। भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'।इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

क्या आप 'हाई-फंक्शनिंग' एंग्जायटी के शिकार हैं? जानें इसके छुपे हुए लक्षण

(शिखर बरनवाल)

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्तूबर को मनाया जाता है, इस दिन को मनाने का उद्देश्य है कि लोगों के बीच में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों के बारे में लोगों को जागरूक करना है। जब हम 'एंग्जायटी' या चिंता की बात करते हैं, तो अक्सर हमारे दिमाग में एक ऐसे व्यक्ति की तस्वीर उभरती है जो घबराया हुआ, परेशान और अपने दैनिक कार्यों को करने में असमर्थ होता है। लेकिन एंग्जायटी का एक ऐसा भी रूप है जो बाहर से बिल्कुल दिखाई नहीं देता, जिसे 'हाई-फंक्शनिंग एंग्जायटी' कहते हैं।

यह कोई क्लिनिकल डायग्नोसिस नहीं, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति बाहर से बेहद सफल, और आत्मविश्वासी दिखता है, लेकिन अंदर ही अंदर वह लगातार चिंता, भय और बेचैनी से जूझ रहा होता है। ऐसे लोग अपनी एंग्जायटी को अपनी सफलता का ईंधन बना लेते हैं, लेकिन यह धीरे-धीरे उन्हें अंदर से खोखला कर सकती है। इसलिए आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं कि 'हाई-फंक्शनिंग' एंग्जायटी क्या होता है और साथ ही इसके लक्षण के बारे में जानते हैं।

सफलता के मुखौटे के पीछे का सचः हाई-फंक्शनिंग एंग्जायटी से पीड़ित व्यक्ति अक्सर अपने कार्यक्षेत्र में एक 'स्टार परफॉर्मर' होता है। वे हमेशा समय पर काम पूरा करते हैं, हर डिटेल पर ध्यान देते हैं और परफेक्शनिस्ट होते हैं। वे दूसरों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और कभी 'न' नहीं कह पाते। बाहर से देखने पर यह उनकी खूबी लगती है, लेकिन असल में यह उनके अंदर छिपे 'असफल होने का डर' और 'दूसरों को खुश करने की जरूरत' से प्रेरित होता है। उनकी सफलता उनकी चिंता को छिपाने वाला एक मुखौटा बन जाती है।

छुपे हुए शारीरिक और मानसिक लक्षणः भले ही बाहर से सब ठीक दिखे, लेकिन अंदर ही अंदर उनका दिमाग लगातार चलता रहता है। वे बीती हुई बातों का विश्लेषण करते हैं, भविष्य को लेकर नकारात्मक सोचते हैं और हर छोटी गलती पर खुद को कोसते हैं। अब आइए इनके कुछ शारीरिक लक्षणों के बारे में जानते हैं। रात में दिमाग का शांत न हो पाना। खासकर गर्दन और कंधों में लगातार खिंचाव महसूस होना। पेट में अक्सर बेचैनी या गड़बड़ी रहना।

व्यवहार में दिखने वाले संकेतः हाई-फंक्शनिंग एंग्जायटी वाले लोगों के व्यवहार में कुछ खास पैटर्न देखे जा सकते हैं। वे कभी आराम से नहीं बैठ पाते और हमेशा खुद को किसी न किसी काम में व्यस्त रखते हैं। वे अक्सर चीजों को आखिरी समय तक टालते हैं और फिर डेडलाइन आने पर अत्यधिक तनाव में काम करते हैं।

क्या करें ?= यह स्थिति आपके सेहत के लिए खतरनाक हो सकती है क्योंकि व्यक्ति सफल दिखता है, इसलिए न तो उसे दूसरों से मदद मिलती है और न ही वह खुद अपनी समस्या को पहचान पाता है। यह लंबे समय में बर्नआउट या गंभीर एंग्जायटी डिसऑर्डर का कारण बन सकता है। अगर आपको ये लक्षण खुद में या किसी अपने में दिखें, तो इसे नजरअंदाज न करें। किसी थेरेपिस्ट या काउंसलर से बात करना पहला कदम हो सकता है। इसके अलावा, मेडिटेशन, अपनी सीमाएं तय करना और 'परफेक्ट' की जगह 'पर्याप्त' से संतुष्ट होना सीखना भी इससे निपटने में मदद करता है।नोट- यह लेख मेडिकल रिपोर्ट्स से एकत्रित जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।

जीवन धारा- कल्पना असंभव को भी संभव बनाती है... सकारात्मक सोचने का सूत्र अपनाएं

(ज्योति भास्कर)

जिंदगी के खेल को सफलतापूर्वक खेलने के लिए हमें अपनी कल्पना शक्ति को सही दिशा में प्रशिक्षित करना होगा। जोअपनी कल्पना को सही ढंग से प्रशिक्षित करता है, वह अपनी हर इच्छा को पूरा कर लेता है।

ज्यादातर लोग जिंदगी को एक जंग समझते हैं, लेकिन यह जंग नहीं, बल्कि एक खेल है। यह ऐसा खेल है, जिसमें बिना आध्यात्मिक नियमों की समझ के सफलता नहीं मिल सकती। यह खेल देने और लेने का है। मनुष्य जो कुछ बोएगा, वही काटेगा। इसका मतलब है कि इन्सान जो भी शब्दों या कर्मों में देता है, वही उसे वापस मिलता है।

अगर वह नफरत देता है, तो उसे नफरत मिलेगी, अगर वह प्रेम देता है, तो उसे प्रेम मिलेगा, अगर वह आलोचना करता है, तो उसे आलोचना मिलेगी, अगर वह झूठ बोलता है, तो उसके साथ झूठ बोला जाएगा और अगर वह धोखा देता है, तो उसे धोखा मिलेगा। हमें यह भी सिखाया गया है कि इस जिंदगी के खेल में हमारी कल्पना शक्ति बहुत बड़ी भूमिका निभाती है।

अपने दिल या कल्पना को पूरी सावधानी से संभालो, क्योंकि उसी से जिंदगी के परिणाम निकलते हैं। इन्सान जो कुछ भी अपनी कल्पना में देखता है, वह देर-सबेर उसकी जिंदगी में हकीकत बन जाता है। मैं ऐसे व्यक्ति के बारे में जानती हूं, जो एक खास बीमारी से डरता था। वह बीमारी बहुत दुर्लभ थी, लेकिन वह बार-बार उसके बारे में सोचता और पढ़ता रहता, जब तक कि वह बीमारी उसके शरीर में नहीं आ गई, और वह अपनी गलत कल्पना का शिकार होकर मर गया। जिंदगी के खेल को सफलतापूर्वक खेलने के लिए हमें अपनी कल्पना शक्ति को सही दिशा में प्रशिक्षित करना होगा। जो व्यक्ति अपनी कल्पना को सिर्फ अच्छा सोचने के लिए प्रशिक्षित करता है, वह अपनी हर अच्छी इच्छा को पूरा कर लेता है, चाहे वह स्वास्थ्य, धन, प्रेम, दोस्त और आत्म-अभिव्यक्ति से संबंधित हो या फिर अपने सर्वोच्च आदर्श से। कल्पना को 'मन की कैंची' कहा गया है, और यह दिन-प्रतिदिन उन चित्रों को काटती रहती है, जो मनुष्य वहां देखता है। कल्पना को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित करने के लिए, मनुष्य को अपने मन की कार्यप्रणाली को समझना होगा। यूनानियों ने कहा था, स्वयं को जानो। बहुत से लोग अपनी वास्तविक किस्मत से अनभिज्ञ होते हैं और वे उन चीजों और परिस्थितियों के लिए प्रयास कर रहे होते हैं, जो उनकी हैं ही नहीं। यदि वे प्राप्त भी हो जाएं, तो कोई गारंटी नहीं कि उनसे संतोष मिलेगा ही। उदाहरण के लिए, मेरे पास एक महिला आई और उसने कहा कि वह अमुक व्यक्ति से प्यार करती है और शादी करना चाहती है। उसे कहने के लिए कोई 'अच्छा शब्द' बताइए। शादी के बाद दोनों में अनबन हो गई और अलग हो गए। महिला ने दूसरी शादी की, लेकिन इस बार भी रिश्ता आगे नहीं निभ सका। दरअसल, जिस तरह की कल्पनाएं वह अपने पति के लिए करती थी, वैसी खूबियां दोनों ही शादियों में नहीं मिलीं और वह असंतुष्ट ही रही। कहने का मतलब है, कल्पना शक्ति को सही दिशा में लगाकर सबसे पहले खुद को जानना जरूरी है।

सूत्र- सकारात्मक सोचेंः धरती पर प्रत्येक जीव का समय तय है। इस बीच हमें स्वास्थ्य, धन, प्रेम, दोस्त, आत्म-अभिव्यक्ति, और अपने सबसे ऊंचे आदर्श को प्राप्त करना होता है। लेकिन कुछ लोग नासमझी के कारण दूसरों से घृणा करते हैं, और जीवन चक्र उनके कर्मों के फल देता ही है, भले कुछ समय बाद दे। इसलिए अपने समेत सबके लिए सकारात्मक सोचें।

वन विभाग के छोटे कर्मचारी पॉलीथिन के भरोसे

शौकिया चीजों के प्रेमी डीएफओ, फूंक रहे लाखों रुपए

भानुप्रतापपुर। हॉल ही में पदस्थ हुए पूर्व वन मंडल में भानुप्रतापपुर में डीएफओ ऋषभ जैन आईएफएस अपने चेंबर और निवास की साजसज्जा में लगे हुए, आपको बता दे कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व डीएफओ चेंबर में आग लगने के वजह से लाखों रुपए खर्च कर बनाया गया था, परंतु नए डीएफओ ऋषभ जैन (आईएफएस) के आते ही फिर से अपने चेंबर का जीर्णोद्धार कर उच्च क्वालिटी की फर्निचर व पेंट पुट्टी की जा रही है, जिसकी लागत करीब 10 लाख रुपए है, शौकिया डीएफओ अपने चेंबर को सजाने में शासकीय राशि फूंकने में व्यस्त है, तो वहीं डीएफओ निवास के मॉड्यूलर किचन से लेकर स्मार्ट बेडरूम तक उच्च गुणवत्ता की महंगी वस्तुएं लगाए जा रहे हैं, इसमें भी लाखों रुपए की राशि खर्च की जा रही है, मनेंद्रगढ़ में एसडीओ के पद से प्रशिक्षण प्राप्त कर डायरेक्ट डीएफओ बने ऋषभ जैन। आपको बात दे शासकीय क्वाटर में निवासरत वन विभाग के छोटे कर्मचारी बारिश के दिनों में अपने शासकीय घर में छत से पानी टपकने से परेशान रहते है, पॉलीथिन के भरोसे उनका जीवन चलता रहा है तो वहीं बड़े शौकीन अधिकारी किस तरह शासकीय राशि का दुरूपयोग करते है, इसका जीता जगता उदाहरण आपके सामने है, वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा भवन मरम्मत के लिए कई बार आवेदन दिया गया लेकिन अब तक भवन की मरम्मत नही हो पाई है। बड़े साहब अपनी शान-ओ-शौकत के लिए सभी नियम कायदे को दर किनार करते हुए मनचाहे ढंग से अपने बंगले व कार्यालय को रेनोवेट करवा लेते हैं जबकि निचले स्तर के कर्मचारियों के लिए बजट आभाव का बाहना बना लिया जाता हैं।

10 वर्षो से नहीं हुई शासकीय आवास का मरम्मत

वन विभाग के छोटे कर्मचारीयों के मकान में 10 वर्षो से अधिक समय से भवन की मरम्मत नही कराई गयी है, जबकि इसके लिए प्रति वर्ष बजट स्वीकृत होती हैं। विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि चार साल पहले से भवन मररमत के लिए विभाग के अधिकारीयों को आवेदन दिया जा रहा है, तीन माह पूर्व भी आवेदन दिया गया था लेकिन आज पर्यन्त तक कोई मररमत नही कराया गया। फिलहाल छत के ऊपर व नीचे पॉलीथिन लगाकर काम चला रहे है। बारिश के दिनों में कई जगह से पानी टपकता है, सीपेज होने से छत से सीमेंट का गिरना व करेंट का खतरा हर हमेशा बना रहता है। खिड़की व दरवाजा भी टूट चुके है। एक तरह से भवन में रहना चुनौती से कम नही है, पर यहां रहना भी हमारी मजबूरी है।

भैंस का सीजेरियन सेक्शन ऑपरेशन सफल

कोण्डागांव। जिले के ग्राम ओटेंडा में पशु मालिक शिवलाल नेताम के आठ वर्षीय भैंस की प्रसव में असमर्थता के कारण एक आपातकालीन शल्य चिकित्सा कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। भैंस पिछले दो दिनों से जन्म देने की कोशिश कर रही थी, लेकिन असफल रही। पशु मालिक ने स्थिति गंभीर होने तक किसी को सूचना नहीं दी। जब टीम को जानकारी मिली, तब तत्काल मौके पर जाकर पशु का निरीक्षण किया गया। भैंस लेटे हुए अवस्था में थी और हाथ से प्रसव करना संभव नहीं था, क्योंकि बछड़ा पूर्ण विकसित पश्चात मृत हो चुका था। सर्जरी डॉ. सुरेंद्र मरकाम और एमवीयू के डॉक्टर ने किया। उन्होंने तुरंत सीज़ेरियन सेक्शन करके मृत बछड़े को बाहर निकाला। इस प्रक्रिया से भैंस की जान बचाई गई और वह वर्तमान में स्वस्थ अवस्था में खड़ी है। इस ऑपरेशन के दौरान भैंस की स्थिति और स्वास्थ्य पर पूरी तरह ध्यान रखा गया तथा पशु को आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। इस सफल ऑपरेशन ने जिले में पशु स्वास्थ्य सेवाओं की तत्परता और विशेषज्ञ शल्य चिकित्सा की उपलब्धता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया।

कोंडागांव जिला को नीति आयोग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार

कोण्डागांव। जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा आयोजित नीति फॉर स्टेट्स' - 'यूज केस चौलेंज अवॉर्ड्स' में कोंडागांव जिले को 'स्वास्थ्य एवं पोषण' श्रेणी में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह सम्मान जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना (आईएएस) को एलबीएसएनएए मसूरी में आयोजित समारोह में नीति आयोग के सीईओ बी. वी. आर. सुब्रमण्यम और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर श्रीराम तरणीकांति द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार जिले द्वारा प्रस्तुत गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की कमी लाने संबंधी पहल के लिए दिया गया, जिसमें डेटा-आधारित विश्लेषण, नवीन हस्तक्षेप, सतत निगरानी और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए गए हैं। जिले में संचालित इस पहल के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं में रक्ताल्पता की दर में कमी लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का समन्वित रूप से संचालन किया गया। इस नवाचार के परिणामस्वरूप जिले में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। नीति आयोग द्वारा इस उपलब्धि को आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के तहत एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में चयनित किया गया है। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने इस सम्मान को जिले की संपूर्ण टीम, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और समुदाय के सहयोग को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि कोंडागांव की टीम भावना और सामुदायिक सहभागिता का परिणाम है।

हमारा उददेश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सतत सुधार लाना है। यह सम्मान न केवल कोंडागांव जिले के लिए, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव का विषय है।

बस्तर राइजिंग बस्तर की कला, संस्कृति और संभावनाओं की नई यात्रा

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग और बस्तर संभाग के जिला प्रशासन के संयुक्त पहल से बस्तर राइजिंग की शुरुआत की गई है। यह कारवां केवल एक सांस्कृतिक यात्रा नहीं, बल्कि बस्तर की आत्मा, उसकी कला, परंपरा, संस्कृति और लोक जीवन की जीवंत गाथा को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने का प्रयास है। बस्तर राइजिंग का यह कारवां प्लेस ऑफ पॉसबिलटि के संस्थापक पृतुल जैन के नेतृत्व में बस्तर संभाग के सभी जिलों की सकारात्मक कहानियों को नए दृष्टिकोण से सामने लाने का रही है। इस यात्रा का प्रमुख उददेश्य बस्तर की कला, शिल्प और प्रतिभा को समझना तथा उन्हें एक व्यापक मंच प्रदान करना है। कारवां के सदस्य स्थानीय कलाकारों, कारीगरों और समुदायों से जुड़कर उनके अनुभवों, संघर्षों और रचनात्मक संसार को करीब से जान रहे हैं। इस पहल का विजन है कि बस्तर की धरोहर को केवल परंपरा तक सीमित न रखकर, उसे आधुनिक समय की रचनात्मक ऊर्जा और आर्थिक अवसरों से जोड़ा जाए। कोंडागांव प्रवास के दौरान बस्तर राइजिंग टीम ने जिले की शिल्प परंपरा को गहराई से समझा। टीम ने टेराकोटा कलाकार अशोक चक्रधारी से मुलाकात की, जो मिट्टी से जीवन का जादू रचते हैं। उन्होंने टीम को टेराकोटा शिल्प की बारीक प्रक्रिया से अवगत कराया, किस प्रकार मिट्टी को गूंथ कर, आकार देकर और आग में तपाकर कला का रूप दिया जाता है। टीम ने उनके द्वारा बनाए गए मैजिक दीये को देखा और उसकी कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा। अशोक चक्रधारी ने बताया कि इस कला में धैर्य, अनुभव और सटीकता की आवश्यकता होती है, क्योंकि एक छोटी सी त्रुटि पूरी मेहनत पर पानी फे र सकती है। इसके बाद टीम ने तिजूराम बघेल से भेंट की, जो रॉट आयरन से अद्भुत कलाकृतियां बनाते हैं। उन्होंने बताया कि यह कला उनके पूर्वजों की धरोहर है। एक समय था जब उनका परिवार पत्थरों को पिघलाकर लोहा निकलता था, और उसी से औजारों से लेकर पूजा की वस्तुएं तक तैयार करता था। आज वही परंपरा एक नए रूप में क्राफ्ट के रूप में पहचानी जा रही है। तिजुराम बघेल ने यह भी बताया कि पहले निकाले गए लोहे का उपयोग बीज संरक्षण के लिए किया जाता था। बीजों के साथ पिघला हुआ लोहा रखने से कीड़े नहीं लगते थे। उन्होंने बस्तर के पारंपरिक त्यौहार अमुस तिहार (हरेली) का भी उल्लेख किया, जिसमें घरों के चौखटों पर लोहे की कील ठोकी जाती है ताकि नकारात्मक शक्तियां घर में प्रवेश न कर सकें। टीम ने इसके बाद डा. राजाराम त्रिपाठी से मुलाकात की। इस दौरान डॉ. त्रिपाठी ने खेती के पारंपरिक और प्राकृतिक तरीकों पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि नेचुरल फार्मिंग क्यों आवश्यक है। टीम ने उनके द्वारा तैयार किए गए विभिन्न हर्बल उत्पादों को देखा। डॉ. त्रिपाठी ने अपनी खेती की यात्रा साझा की और उन लोगों से भी मिलवाया जो आज प्राकृतिक खेती में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। टीम ने चिखलपुट्टी स्थित फार्म का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने काली मिर्च की खेती और विभिन्न जड़ी-बूटियों की किस्मों का अवलोकन किया। डॉ. त्रिपाठी ने जैविक खेती के महत्व, उसकी तकनीक और चुनौतियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि क्लाइमेट चेंज अब एक वास्तविकता बन चुका है, जिसका सीधा असर खेती पर दिखाई दे रहा है। इसके बाद टीम ने साथी संस्था के संस्थापक भूपेश तिवारी से भेंट की। उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के अपने अनुभव साझा किए। चर्चा के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि बस्तर के शिल्पकारों के जीवन को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है और पर्यटन को संस्कृति से जोड़कर विश्व पटल पर कैसे प्रस्तुत किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जनभागीदारी आधारित विकास की अवधारणा के अनुरूप यह पहल बस्तर के युवाओं, कारीगरों और कलाकारों को न केवल अपनी पहचान देने में मदद कर रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण से भी जोड़ रही है।

5 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर, नदी पार करके नियद नेल्लानार ग्राम बेलनार, बंगोली पहुंचे कलेक्टर

बीजापुर। जिले के कलेक्टर संबित मिश्रा ने भौरमगढ़ ब्लॉक के इंद्रावती नदी उस पार सुदूर गांव बेलनार में हाल ही में स्थापित सुरक्षा कैम्प का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन कर क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों पर चर्चा किए साथ ही ग्रामीणों से मिलकर क्षेत्र के विकास, शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। बेलनार में सुरक्षा कैम्प की स्थापना से नियद नेल्लानार योजना के तहत शामिल गांवों में विकास की रफ्तार तेज होगी और शासन की योजनाएं अब इन क्षेत्रों तक आसानी से पहुँच सकेंगी। इससे माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास की मुख्यधारा से वंचित लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर के साथ जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने ग्रामीणों को ग्रामीण विकास की योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया। प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के छत का आशियाना बनाने प्रेरित किया। नवीन आंगनबाड़ी भवन बन जाने से जिससे स्थानीय बच्चों को पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्वामी आत्मानंद विद्यालय में बालिकाओं की रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन

कोण्डागांव। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, कोंडागांव में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा, सशक्तिकरण और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य पी. एस. डेनियल ने की। कार्यक्रम का संचालन अंकिता चरण ने प्रभावशाली ढंग से किया। पोस्टर प्रदर्शनी में पूजा नेताम, विमला नेताम, पूजा पटेल, मनीषा कुशवाहा, गरिमा वर्मा और अनुकल्प मिश्रा ने बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और समानता पर सशक्त संदेशों से परिपूर्ण आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। कविता वाचन सत्र में यमुना पटेल, हेमा नाग और अंकिता नायक ने बालिकाओं के आत्मसम्मान, संघर्ष और सपनों की उड़ान को भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया। भाषण प्रतियोगिता में डिंपल साहू और अखिलेश गायधने ने बालिका सशक्तिकरण के सामाजिक और नैतिक पहलुओं पर प्रभावी वक्तव्य प्रस्तुत किए। विद्यालय की शिक्षिका त्रिवेणी बोस ने कहा किऐसे आयोजन बालिकाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुणों का विकास करते हैं, जिससे वे भविष्य में समाज की प्रेरणा बन सकें। प्राचार्य पी. एस. डेनियल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा किबालिका केवल परिवार की नहीं, राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। उन्हें सशक्त बनाना ही हमारे समाज का परम कर्तव्य है। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन और युवाओं की सहभागिता बढ़ाने संभागायुक्त ने ली वर्चुअल बैठक

बीजापुर। बस्तर संभाग के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने, उनके रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को निखारने, उन्हे अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने और बस्तर क्षेत्र की जनता का शासन से प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने के उददेश्य से बस्तर ओलंपिक 2025 आयोजन किया जाना निहित है। बीजापुर जिले के अधिक से अधिक प्रतिभागियों के सहभागिता के लिए बस्तर संभाग आयुक्त द्वारा विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले में बस्तर ओलंपिक में प्रतिभागियों के प्रचार-प्रसार, प्रतिभागियों के पंजीयन प्रगति एवं कलस्टर स्तर, विकासखण्ड स्तर एवं जिला स्तर पर आयोजन की तिथि आयोजन स्थल का समीक्षा किया गया। इस विडियों कॉन्फ्रेंस में जिले के सभी जनपद पंचायतों में सरपंचगणों / जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति से संवाद करते हुए बस्तर ओलंपिक में अपने निर्वाचित क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को सहभागिता में सहयोग करने की अपील की। बस्तर ओलंपिक के इस विडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर संबित मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे, अनुविभागीय अधिकारी जागेश्वर कौशल, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला खेल अधिकारी एन.पी. गवेल तथा समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान : बीजापुर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जिला अध्यक्ष का चयन की तैयारी शुरू

बीजापुर। शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक अज़्मतुल्लाह हुसैनी, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक विधायक कुंवर सिंह निषाद (गुंडरदेही), विधायक रामकुमार यादव (चंद्रपुर) और बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत सर्किट हाउस, बीजापुर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया। नेताओं ने बताया कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में लिए गए निर्णय के अनुसार, कि कांग्रेस पार्टी संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखती है। इसी के तहत पार्टी संगठन के चुनाव भी लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किए जा रहे हैं। संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ, मंडल, ब्लॉक, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए बूथ स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक और जिला स्तर के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा। जिला अध्यक्ष के चयन में अनुभव, पार्टी की विचारधारा के प्रति निष्ठा, संगठनात्मक क्षमता और सर्वमान्यता को प्राथमिकता दी जाएगी। यह निर्णय एआईसीसी अध्यक्ष द्वारा लिया जाएगा। एआईसीसी पर्यवेक्षक अज़्मतुल्लाह हुसैनी ने कहा कि बीजापुर जिला कांग्रेस संगठन पहले से ही मजबूत है और इसे बूथ स्तर तक और सशक्त किया जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने और आदिवासियों व गरीबों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि बीजापुर जिले में लगभग 250 मतदान केंद्रों में से 50 मतदान केंद्र ऐसे हैं, जहां मतदान नहीं होता। उन्होंने आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा इन केंद्रों पर वोट चोरी की कोशिश कर सकती है। इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने और मतदाता जागरूकता बढ़ाने की हिदायत दी गई। हुसैनी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा मिलकर बस्तर संभाग के खनिज संसाधनों को अपने उद्योगपति मित्रों, विशेष रूप से अडानी समूह, को सौंपने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा बस्तर में आदिवासियों के बीच धर्म, जाति और अन्य आधारों पर फूट डालने का प्रयास कर रही है।

जबकि आदिवासी समुदाय सदियों से

मांझीगुड़ा एवं जामावाड़ा में मनाया गया विश्व बालिका दिवस

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जाने वाले विभिन्न गतिविधियों के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानगुर के अंतर्गत माध्यमिक शाला मांझीगुडा में विश्व बालिका दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के खेल जैसे क्विज, बैलून, गेम, म्यूजिकल चेयर आदि गेम किया गया तथा इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानगुर के बीएमओ डॉक्टर राधेश्याम भवर द्वारा बालिकाओ के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी दी गई तथा प्रधान अध्यापक जी पी राव द्वारा बालिकाओं को शिक्षा एव लिंगानुपात के संबंध में बताया गया. सुपरवाइजर नरेश मरकाम द्वारा गीतों के माध्यम से बालिकाओ की स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई एवं आरबीएस के डाक्टर रिवान साहू व चिरायु टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान किया गया। इसी के तहत ग्राम जमावडा आंगनबाड़ी में विश्व बालिका दिवस में किशोरी बालिकाओ द्वारा रंगोली , गीत, अन्य कार्यक्रम किया गया जिसमे ग्रामीण महिलाओं के साथ साथ, बच्चों ने भी बड़ी संख्या मे रैली में नारा, बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ, बेटी पढेगी, आगे बढ़ेगी जैसे नारों के साथ रैली निकाला गया। इस अवसर पर सेक्टर सुपरवाइजर शिव भंडारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आरएचओ महेश कश्यप, जयदेव नाग, विमला कश्यप, अलीशा जोयाल, प्रधान अध्यापक राव, शिक्षकगण महेश सेठिया, कमल बेसरा, रनिका सेठिया सरस्वती बघेल, सीएचओ वैशाली नाग, श लक्ष्मी शांडिल्य दिलेश्वरी नाग, चिरायु आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एव मितानिन दीदी तथा ग्रामवासी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन 30 अक्टूबर तक

बिलासपुर। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन 30 अक्टूबर शाम 5 बजे तक किये जा सकते है। प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित की जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी एनटीए की आधिकारिक वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एनटीए डॉट एसी डॉट इन पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 15 अक्टूबर से उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव करेंगे शुभारंभ

बिलासपुर। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ 15 अक्टूबर से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में कबड्डी, बेसबॉल एवं कराते जैसे विभिन्न खेलों में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाएंगे। 15 अक्टूबर को सवेरे 10 बजे से पुलिस ग्राउंड में होने वाले प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, मस्तुरी विधायक श्री दिलीप लहरिया, कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी एवं महापौर श्रीमती पूजा विधानी शामिल होंगे।

हथियार लहराकर सोशल मीडिया पर रील पोस्ट करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त

बिलासपुर। सोशल मीडिया पर हथियार लहराकर रील बनाना अब पांच युवकों को भारी पड़ गया है. बिलासपुर पुलिस ने कुख्यात लुट्टू पांडेय गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो सोशल मीडिया पर रिवॉल्वर और चाकू के साथ वीडियो बनाकर डर फैलाने का काम कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में लुट्टू पांडेय, शिवम मिश्रा, लक्की यादव, शैलेश चौबे और शंभू यादव शामिल हैं. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक रिवॉल्वर, एक एयर गन, एक चाकू, एक बेसबॉल स्टिक और एक बुलेट जब्त की है. जानकारी के अनुसार, ये आरोपी लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हथियारों से वीडियो बनाकर अपराध का प्रचार और दहशत फैलाने का काम कर रहे थे. पुलिस ने साइबर सेल की मदद से इनकी लोकेशन ट्रैक की, जो उत्तर प्रदेश के बनारस, मिर्जापुर और इलाहाबाद के अलग-अलग इलाकों में छिपे हुए थे. विशेष टीम ने लगातार निगरानी रखते हुए आरोपियों को रतनपुर के पास घेराबंदी कर गिरफ्तार किया. पुलिस ने इनके खिलाफसंगठित अपराध की धाराएं भी जोड़ी हैं. बिलासपुर पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर अपराध की छवि गढ़ने वालों पर अब सख्त कार्रवाई की जाएगी. रील के बहाने हथियारों का प्रदर्शन कर अपराध का महिमामंडन करने वालों को जेल की राह पकड़नी पड़ेगी।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 'सशक्त बालिका सशक्त समाज' थीम पर जिलेभर में विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

कोरबा। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिलेभर में सशक्त बालिका सशक्त समाज थीम पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह दिवस इस संदेश के साथ मनाया गया कि हर बालिका अपने भीतर अपार संभावनाएँ और समाज को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। जिले की 40 ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से बालिकाओं के अधिकार, सम्मान और सशक्तिकरण पर विशेष रूप से बल दिया गया। इन कार्यक्रमों में बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी रही, जहाँ उन्हें आत्मविश्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया और आत्म-अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान किया गया। कार्यक्रमों में बालिका सभाएँ आयोजित की गईं, जिनमें बेटियों ने पंचायत के समक्ष अपने विचार और आकांक्षाएँ व्यक्त कीं। जनजागरूकता रैली के माध्यम से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और समान अवसर समान अधिकार के संदेशों को समाज तक पहुँचाया गया। विजन बोर्ड निर्माण गतिविधि के अंतर्गत बालिकाओं ने अपने सपनों और लक्ष्यों को चित्रित किया, वहीं उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त बालिकाओं को सम्मानित कर अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाया गया। इस अवसर पर यह संदेश दिया गया कि बालिकाएँ हमारे समाज की वास्तविक शक्ति हैं। जब एक बालिका शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी होती है, तब केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरा परिवार, समाज और राष्ट्र विकास की दिशा में अग्रसर होता है। प्रशासन का प्रयास है कि कोरबा जिले की हर बालिका को शिक्षा का अवसर, स्वास्थ्य की सुरक्षा, सुरक्षा का अधिकार और आत्म-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिले।

ग्लोबल वॉइसेज़, वन विज़न-अपोलो हॉस्पिटल्स द्वारा इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग (आईएचडी) 2026 का आयोजन 30-31 जनवरी 2026 को हैदराबाद में.........

बिलासपुर। अपोलो हॉस्पिटल्स 30-31 जनवरी 2026 को हैदराबाद में इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग (आईएचडी) के 2026 संस्करण का आयोजन करने जा रहा है, जो मरीज़ों की सुरक्षा, हेल्थकेयर में इनोवेशन एवं सिस्टम में बदलाव को बढ़ावा देने वाले दुनिया के अग्रणी प्लेटफॉर्म्स में से एक है। आईएचडी 2026 का विषय है 'ग्लोबल वॉइसेज़, वन विज़न' जो विचारों, नवाचार एवं नेतृत्व को एक ही लक्ष्य की ओर ले जाने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह लक्ष्य है प्रत्यास्थ, मरीज़-उन्मुख एवं टेक्नोलॉजी से इनेबल्ड हेल्थकेयर प्रणाली का निर्माण करना। इस साल का प्रोग्राम तीन महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करेगा: नेतृत्व उन्मुख सुरक्षा मॉडल, मनुष्य पर केंद्रित डिज़ाइन, डिजिटल रूपान्तरण और अस्पताल के संचालन में सिस्टम में उत्कृष्टता, मरीज़ों का अनुभव और चिकित्सकीय परिणाम। डॉ संगीता रेड्डी, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा, "पिछले सालों के दौरान इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग एक गतिशील विश्वस्तरीय मंच के रूप में उभरा है, जहां चिकित्सक, इनोवेटर्स, नीति निर्माता और प्रचारक, हेल्थकेयर के अगले युग को आयाम देने के लिए इकट्ठा होते हैं। हैदराबाद का संस्करण इसी दृष्टिकोण के साथ एआई, डेटा एवं डिजिटल सिस्टम की क्षमता के साथ-साथ सहानुभूति एवं आपसी सहयोग के मूल्यों को भी एक साथ लेकर आएगा। आईएचडी का आयोजन हेल्थकेयर को पूर्वानुमानित, स्थायी एवं समावेशी बनाने की साझा विश्वस्तरीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जहां हर इनोवेशन मानवता की सेवा करे और हर साझेदारी स्वस्थ धरती की दिशा में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करे। इंटरनेशनल हेल्थ डायलॉग 2026 में चार सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे: 1. आईपीएससी- इंटरनेशनल पेशेंट सेफ्टी कॉन्फ्रेन्स- के दौरान इस विषय पर चर्चा

की जाएगी कि किस तरह सक्रिय प्रथाएं और हेल्थकेयर सिस्टम मरीज़ों की सुरक्षा में सुधार ला सकते हैं। 2. एचओपीई- हेल्थकेयर ऑपरेशन्स एंड पेशेंट एक्सपीरिएंस कॉन्फ्रेन्स- के दौरान मरीज़ से जुड़े हर टचपॉइन्ट को बेहतर बनाने के लिए दक्षता, सहानुभूति एवं इनोवेशन के द्वारा संचालन उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। 3. टीएचआईटी- ट्रांसफॉर्मिंग हेल्थकेयर विद आईटी कॉन्फ्रेन्स- के दौरान दुनिया भर से हेल्थकेयर एवं आईटी के दिग्गज इकट्ठा होंगे तथा उद्योग जगत के नए रूझानों, सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं एवं आधुनिक प्रगति पर विचार प्रस्तुत करेंगे। 4. क्लिनोवेट- ओंकोलोजी, कार्डियोलोजी, महिलाओं के स्वास्थ्य, लोंगेविटी एवं लैबोरेटरी मेडिसिन पर क्लिनिकल सीएमई सीरीज़ - जहां चिकित्सकों एवं शोधकर्ताओं को देश एवं दुनिया भर के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिलेगा। आईएचडी 2026 में दुनिया भर में स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े दूरदृष्टा एवं बदलावकर्ता जैसे डॉ जोनाथन पर्लिन, प्रेज़ीडेन्ट एवं सीईओ, द जॉइंट कमिशन एंटरप्राइज़; डॉ कार्सटेन एंजल, सीईओ, इस्क्युआ; और डॉ डीन हो, हैड ऑफ डिपार्टमेन्ट ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एट द नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर इकट्ठा होंगे और विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। उनके साथ डॉ अतुल मोहन कोचर, सीईओ, एनएबीएच; डॉ नीलम ढींगरा, वाईस प्रेज़ीडेन्ट एवं चीफ़ पेशेंट सेफ्टी ऑफिसर, जॉइंट कमिशन इंटरनेशनल; और डा एयल ज़िमलिचमैन, चीफ़ इनोवेशन, ट्रांसफोर्मेशन एवं एआई ऑफिसर, शेबा मेडिकल सेंटर, और फाउन्डिंग डायरेक्टर, एआरसी, इज़रायल, क्रिस्चियन सुचुमेचर, संस्थापक एवं प्रबन्धन निदेशक, स्विस ग्लोबल अडवाइज़री, दुबई और एरिक लांगशुर, सह-संस्थापक और मैनेजिंग पार्टनर, एबन्डेन्ट वेंचर पार्टनर्स भी मौजूद रहेंगे।

सीपीआर जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ हृदय रोग से बचाव की दी गई जानकारी

बिलासपुर। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जिला कार्यालय परिसर में सीपीआर जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। शिविर लगाकर जिला कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों एवं आम नागरिकों के लिए हृदय रोग से बचाव की जानकारी दी गई। एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी ने इस अवसर पर कहा कि आज के समय में सीपीआर किस तरह से किया जाना है, कब किया जाना है, इसकी जानकारी सभी को होनी चाहिए। सीपीआर किन परिस्थितियों में किया जाए उसके लक्षण क्या होंगे इस विषय पर विस्तार से संबोधित किया। कार्यक्रम में डॉक्टर रक्षित जोगी ने हार्ट अटैक एवं हार्ट अरेस्ट के विषय में लोगों को समझाया तथा यह जानकारी दी की हार्ट अरेस्ट के समय में ही सीपीआर की आवश्यकता होती है क्योंकि उस

समय व्यक्ति होश में नहीं होता है। रेडक्रॉस के जिला समन्वयक श्री सौरभ सक्सेना ने सीपीआर जागरूकता सप्ताह के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को सचिव रेडक्रॉस डॉ. शुभा गढेवाल ने भी संबोधित किया तथा सीपीआर की महत्ता के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड एवं वय वंदन कार्ड बनाने हेतु सभी से निवेदन किया। सीपीआर की जानकारी एवं उसका डेमो प्रदर्शन प्राथमिक चिकित्सा के मास्टर ट्रेनर श्रीमती अपराजिता मिश्रा, कुमारी अन्नू पटेल एवं नौरीश जेहरा अली के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के द्वारा स्वयं डेमो किया गया एवं डमी के साथ सीपीआर की पूरी प्रणाली को समझा। कार्यक्रम में डॉ. राजीव अवस्थी प्रबंध समिति सदस्य, श्री आदित्य पांडे प्रभारी अधिकारी, श्री सुशील राजपूत सहित लगभग 40 से अधिक लोगों ने सीपीआर का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

बालक स्कूल रामानुज नगर में संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन

- ज्ञान विज्ञान एवं जीवन मूल्य पर आधारित है यह परीक्षा

सूरजपुर/संवाददाता। जिले के जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा के निर्देशन में,संस्था के प्राचार्य पी सी सोनी के मार्गदर्शन में एवं व्याख्याता गोपाल सिंह के नेतृत्व में13/10/2025 को शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित संस्कृति ज्ञान परीक्षा - 2025 का आयोजन कराया गया जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्कृति ज्ञान परीक्षा के विकासखंड समन्वयक विष्णु

प्रसाद प्रजापति ने बताया कि इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य हमारे देश में अपनी संस्कृति, परंपराओं, जीवन मूल्यों, ज्ञान विज्ञान एवं महापुरुषों के अनुभवों को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में भावी मानव पीढ़ी तक शिक्षा के माध्यम से सौंपने का है। विद्यालय में परीक्षा संचालन के दायित्व को संभालने वाले शिक्षक गोपाल सिंह ने बताया कि हमारा यह दृढ़ मान्यता है कि यदि हमारे छात्रों को आधुनिक ज्ञान विज्ञान के साथ अपनी महान संस्कृति, गौरवपूर्ण इतिहास, महापुरुषों के जीवन चरित्र, श्रेष्ठ राष्ट्रीय परंपराओं का परिचय कराया जाए तो निराशापूर्ण वातावरण में भी आशा की किरण उत्पन्न होती है जो कि विद्यार्थी जगत में नैतिक कार्यों के लिए नई रोशनी उत्पन्न करती है।इस परीक्षा के सफल संचालन में विद्यालय के सभी शिक्षकों का अहम योगदान रहा।

अब नहीं आता बिजली बिल, घर की छत से ही मिल रही ऊर्जा........

जशपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एक बड़ी पहल बनकर सामने आई है। इस योजना ने लोगों के जीवन में बचत, सुविधा और स्थायी ऊर्जा का नया रास्ता खोल दिया है। जिले के पत्थलगांव निवासी श्री बालेश्वर यादव ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर रूफ्टॉप प्लांट लगाया है। योजना के अंतर्गत उन्हें केंद्र और राज्य सरकार से ?78,000 हजार की सब्सिडी मिली, जबकि संयंत्र की कुल लागत लगभग ?2 लाख रही। श्री यादव बताते हैं कि पहले हर महीने करीब ?5,000 तक बिजली बिल देना पड़ता था। लेकिन सोलर सिस्टम लगने के बाद अब उनका बिल लगभग शून्य हो गया है। इतना ही नहीं, घर में उपयोग से बची बिजली ग्रिड में भेजने से उन्हें हर माह आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत घर में सोलर सिस्टम लगने से अब बिजली कटने या बिल बढ़ने की चिंता नहीं रहती। हम खुद की जरूरत की बिजली बना रहे हैं और पर्यावरण को भी सुरक्षित रख रहे हैं। श्री यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

अदाणी फाउंडेशन कोरबा जिले में 3000 बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूल के बच्चों की नेत्र जाँच कर बांटेगी मुफ्त चश्मे..

- विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के साथ किया जा रहा नियमित शिविर का आयोजन
- कोरबा पॉवर लिमिटेड के सामाजिक सरोकारों की अनुपम पहल

कोरबा। जिले के बरपाली तहसील में अदाणी फाउंडेशन ने नियमित नेत्र जाँच शिविर की शुरुआत की है। अदाणी के कोरबा पॉवर लिमिटेड (केपीएल) के पास के पाँच ग्राम पंचायतों खोड्डुल, सरगबूंदिया, ढ़नीढ़नी, पहंदा, और पताड़ी के आसपास के ग्रामों में निवासरत बुजुर्गों, महिलाओं और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों सहित कुल 3000 लोगों को इसका लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य आसपास के ग्रामों में गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाओं के मद्देनजर गांवों में स्कूल के छात्रों सहित बुजुर्गों और महिलाओं में नेत्र रोग की समस्या से निजात दिलाना है। इसी कड़ी में नेत्र जाँच शिविर उद्घाटन गत मंगलवार को ग्राम पंचायत पताड़ी में किया गया। जिसमें कार्यक्रम की मुख्यअतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताड़ी की डॉ रजनी कटकवार थी। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता केपीएल के महाप्रबंधक श्री नितिन पाटील ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पताड़ी सरपंच श्री प्रधान सिंह ठाकुर, सरगबूंदिया सरपंच श्री अश्विनी तवर, जिला पंचायत प्रतिनिधि श्री कमलेश अनंत, केपीएल के भू विभाग प्रमुख श्री विकास ठाकुर तथा कॉर्पोरेट मामलों के प्रमुख श्री अतुल गुप्ता उपस्थित थे। इसके अलावा अदाणी फाउंडेशन के श्री ताजेंद्र बंजारे व पवन महतो सहित गांव के पंच, बुजुर्गजन तथा ग्रामवासी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ रजनी कटकवार ने कहा कि, अदाणी फाउंडेशन का नेत्र रोग के निदान के लिए यह प्रयास काफी सराहनीय है। उन्होंने सभी को सरकार के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम नेत्र दान करने के लिए प्रेरित भी किया। केपीएल के श्री नितिन पाटील ने कहा कि, अदाणी फाउंडेशन अपने आसपास के आश्रित ग्रामों में सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत मुफ्त चिकित्सा परामर्श एवं दवाइयाँ उपलब्ध करा रहा है। जो कि संस्था की सामाजिक सहभागिता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नेत्र जाँच में अग्रणी संस्था विजनस्प्रिंग फाउंडेशन के सहयोग से अदाणी फाउंडेशन द्वारा क्षेत्र में नेत्र समस्या से जूझ रहे करीब 2000 बुजुर्गों और महिलाओं तथा सरकारी स्कूलों के 1000 बच्चों के नेत्रों की जाँच कर दवाइयाँ और नजर के चश्मे निःशुल्क वितरित करेगा। शनिवार तक ग्राम पताड़ी, ढनढनी, सरगबूंदिया और खोड्डुल में आयोजित शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ विनोद कुमार पाल ने 400 से अधिक बुजुर्गों और महिलाओं की नेत्र जाँच कर निःशुल्क दवाइयां और नजर के चश्मे वितरित किए। अदाणी समूह द्वारा अपने सामुदायिक सरोकारों के तहत छत्तीसगढ़ की ऊर्जाधानी कोरबा, राजधानी रायपुर, सहित प्रदेश के सरगुजा, दुर्ग, बलोदाबाजार-भाटापारा, और बिलासपुर सहित कुल छह जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना विकास तथा आजीविका उन्नयन के कई कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

डीएलएसए की संवेदनशील पहल-विक्षिप्त महिला का सुरक्षित रेस्क्यू, सखी सेंटर में मिला आश्रय....

- रात के अंधेरे में मानवता की रौशनी - डीएलएसए, पुलिस और नागरिकों ने मिलकर बचाई विक्षिप्त महिला को

सूरजपुर। संवाददाता/ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) ने एक बार फिर मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है। अध्यक्ष, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती विनीता वार्नर के दूरदर्शी मार्गदर्शन और सचिव डीएलएसए, कु. पायल टोपनो के त्वरित दिशा- निर्देशन में, रात के अंधेरे में भटक रही एक विछिप्त महिला को तत्काल रेस्क्यू कर सखी वन स्टॉप सेन्टर में सुरक्षित आश्रय प्रदान किया गया। यह घटना स्थानीय प्रशासन, पुलिस और जागरूक नागरिकों के उत्कृष्ट समन्वय की कहानी बयां करती है। व्हाट्सएप से मिली पहली सूचना घटना की शुरुआत शनिवार देर रात हुई। स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुप पर एक पोस्ट शेयर किया गया, जिसमें ग्राम उमापुर में एक अज्ञात विक्षिप्त महिला के भटकने की जानकारी और उसकी तस्वीर थी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में कार्यरत अधिकार मित्र श्री सत्य नारायण ने इस पोस्ट को गंभीरता से लिया और तुरंत सचिव कु. पायल टोपनो को इसकी जानकारी दी। सचिव ने बिना समय गंवाए इसे अतिसंवेदनशील मामला मानते हुए महिला का पता लगाने और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। रात

8 बजे ग्राम मोरगा से हुई पहचान पूरे दिन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम महिला का पता लगाने में जुटी रही। दूसरे दिन रविवार की रात लगभग 8 बजे, ग्राम मोरगा के एक जागरूक नागरिक पिंटू राजवाड़े ने अधिकार मित्र को फोन पर बताया कि वही महिला उनके गांव में भटक रही है। सूचना मिलते ही सचिव कु. पालय टोपनो ने मानवता को प्राथमिकता देते हुए, बिना किसी देरी के महिला को तत्काल सुरक्षित रेस्क्यू कर सखी रेन्टर लाने का निर्देश दिया, ताकि उसकी आवश्यक देखभाल और चिकित्सा सहायता मिल सके। रामानुजनगर पुलिस की त्वरित कार्यवाही सचिव के निर्देश पर अधिकार मित्र श्री सत्य नारायण ने तत्काल थाना रामानुजनगर से संपर्क साधा। थाना प्रभारी श्री एल. लकड़ा एवं थाने में पदस्थ एएसआई श्री मनोज कुमार पोर्ते ने इस संवेदनशील सूचना पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने न केवल तुरंत रेस्क्यू टीम भेजी, बल्की इस मानवीय मिशन में हर संभव सहयोग भी किया। रेस्क्यू टीम में अधिकार मित्र श्रीमती आशा गोंड, सत्य नारायण और पुलिस के प्रधान आरक्षक श्री राम जनत प्रधान एवं आरक्षक श्री गणेश सिंह ने सुयुक्त रूप से मोर्चा संभाला और सफलतापूर्वक महिला को रेस्क्यू कर सखी वन स्टॉप सेन्टर पहुँचाया, जहाँ अब वह सुरक्षित है और उसकी देखभाल की जा रही है। यह सफल रेस्क्यू ऑपरेशन सिद्ध करता है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिले की पुलिस और जनता मिलकर समाज के सबसे कमजोर व्यक्तियों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच का निर्माण कर रहे हैं।

पुरानी बस्ती के स्कूल को मिली नई शिक्षिका

कोरबा। अट्ठाइस बरस पहले खुले प्राथमिक शाला पुरानी बस्ती अलगीडाँड़ में अब नई शिक्षिका आ गई है। नई शिक्षिका के आने पर न सिर्फ स्कूल में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी खुश है, गाँव में रहने वाले वे परिवार जो अपने बच्चों को बहुत उम्मीद के साथ स्कूल भेजते हैं वे भी बहुत खुश है कि अब उनके बच्चों को नई शिक्षिका भी पढ़ाएगी। पाली विकासखंड के अंतर्गत ग्राम अलगीडाँड़ में संचालित प्राथमिक शाला में कुल 63 बच्चे दर्ज है। ज्यादातर विद्यार्थी अनुसूचित जनजाति परिवार से हैं। विद्यालय में विगत कई वर्ष से एकमात्र प्रधानपाठक श्री रघुवीर सिंह ही थे जो सभी विद्यार्थियों की कक्षाएं लेते थे। इस दौरान उन्हें बहुत परेशानियों का सामना भी करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि युक्तियुक्तकरण से उनके विद्यालय में एक शिक्षिका पदस्थ हुई है। उनके पदस्थापना से उन्हें भी बहुत राहत मिली है। युक्ति युक्तकरण से पदस्थ शिक्षिका श्रीमती इंदु पैकरा ने बताया कि उनका नाम युक्ति युक्तकरण में आने के बाद उन्होंने 6 जून को विद्यालय में अपनी उपस्थिति दी। अब चार माह हो गए हैं। विद्यार्थियों के साथ घुल मिल गई है। विद्यार्थी भी उन्हें नई मैडम के नाम से जानते हैं। विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी अविनाश, अतुल, मुस्कान, मान्या ,स्वाति, प्रियांशी ने बताया कि नई मैडम उन्हें पढ़ाती है। पहले बड़े गुरुजी अकेले पढ़ा रहे थे। विद्यार्थियों ने बताया कि नई मैडम खेल भी खेलाती है ।

बिना थकावट ही हांफने लगते हैं आप?

एक्सपर्ट से जानिए इसके कारण

लगातार या हैवी काम करते हैं, तो इससे शरीर थकने लगता है। लेकिन कई बार हमें कम मेहनत करने पर भी हांफने या थकावट की समस्या होने लगती है। वहीं, अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है, तो इसका कारण किसी तरह ही स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। ऐसे लक्षणों को महसूस करना बिल्कुल भी सामान्य नहीं है।ऐसी स्थिती में सांस का अचानक भारी होना या सांस लेते समय छाती में जकड़न महसूस होने जैसी दिक्कत हो सकती है। धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल में इंटरल मेडिसिन एक्सपर्ट डॉ। पंकज वर्मा कहते हैं कि बिना कोई काम किए बार-बार थकने की समस्या का कारण खराब डाइट या फिर कुछ मेडिकल कंडीशन भी हो सकती है।

एनीमिया हो सकता है कारण

एक्सपर्ट कहते हैं कि एनीमिया के कारण शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाने के कारण हांफने की समस्या हो सकती है। जब खून में हीमोग्लोबिन कम होता है, तो ऑक्सीजन का फ्लो कम हो जाता है। इससे भी सांस लेने में भारी महसूस हो सकता है।

दिल संबंधी दिक्कत

अगर आपका दिल सही तरीके से काम नहीं कर रहा तो भी शरीर के अलग-अलग अंगों तक ऑक्सीजन ठीक तरह से नहीं हो पाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि हार्ट वाल्व में फेलियर होने के कारण भी हांफने की दिक्कत हो सकती है।

तनाव और चिंता

शायद आपको भी यकीन न हो पाए लेकिन तनाव और चिंता भी थकावट का कारण बनते हैं। ज्यादा तनाव से मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है। इससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

एक्सपर्ट से जानिए कैसे करें बचाव

अपनी डाइट में आयरन, विटामिन बी-12 और फोलिक एसिड वाली चीजों को शामिल करें। इससे खून मेंऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि रोजाना हल्की एक्सरसाइज करें। ब्रीदिंग एक्सरसाइज करना भी काफी फायदेमंद होगा। अगर बार-बार हांफने की समस्या हो रही है तो डॉक्टर की सलाह लें और अपने खून की जांच करवाएं। स्ट्रेस यानी मानसिक तनाव को कम करने के लिए मेडिटेट करें। आप योगाभ्यास भी कर सकते हैं।

सेहत के लिए लाभकारी योगा

योग सेहत के लिए लाभकारी है। यह आपको आंतरिक व बाहरी सुख प्रदान करने में सहायक होगा। आज के समय में महिलाओं की भूमिका बदल सी गई है। यानी की ये घर की ज़िम्मेदारी के साथ बाहरी में दुनिया के प्रति अपने कर्तव्य को अच्छे निभा रही हैं। ऐसे में योग का उनके जीवन में होना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। इन दायित्वों को निभाने के लिए महिलाओं को अधिक ऊर्जावान व संतुलित बनना होगा। जिसमें योग उनकी काफी मदद कर सकता है। योग उन्हें इन चीजों को करने के लिए आवश्यक सभी ख़ूबियाँ प्रदान करेगा। यहां हम कुछ योगासन के बारे में जानकारी देने से जा रहे हैं जिनके अभ्यास से निश्चित ही आपको लाभ होगा। । तो आइये जानते आपके लिए कौन से योग है फ़ायदेमंद –

कपालभाति

कपालभाति को करने से भी अभ्यासकर्ता को काफी लाभ मिलता है। इस आसन को करने के लिए आपको प्राणायाम के आसन में ही बैठना है इसके बाद आपको संतुलित गति से सांस को भरना है और छोड़ना है। इस क्रिया को आप अपने क्षमता अनुसार कर सकती है। ध्यान रहे सांस लेने व छोड़ने की गति अधिक तेज न हो। दोनों में संतुलन बना रहे।

आसन से लाभ

इस आसन के लाभ की बात की जाए तो महिलाओं के लिए काफी फ़ायदेमंद है। इससे आपके बाल झड़ना बंद हो जाते हैं। महावारी के समस्या से राहत मिलती है। गर्भाशय के गांठों में असरदार साबित होता है।

उत्तानासन

इस आसन को करने के लिए आपको सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, इसके बात सांस लें और नीचे की ओर जाएं। आप आपको अपने हाथों से अपने पिंडलियों (पैर का पिछला हिस्सा ऐड़ी के 4 इंच ऊपर) पर ले जाएं। अब आपको अपने सीने को घुटनों से सटानेकी कोशिश करें। कुछ समय के लिए स्थिति में बने रहे। इस दौरान आपको संतुलित रूप से सांस लेते रहना है। इस आसन को आप 8 से 10 बार दोहराएं।

आसन से लाभ

उत्तानासन का अभ्यास करने से पेट और कमर के आस-पास की बढ़ी हुई चर्बी कम हो जाती है। यह बॉडी को सही शेप में ले आती है। इसके साथ ही यह आसन कंधे और हाथों की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है।

प्राणायाम

प्राणायाम कई प्रकार के हैं परंतु आपको यहां सबसे आसान वाले को करना है। यानी की यह प्राणायाम के सबसे सामान्य प्रकार है परंतु इसका काफी लाभ है। इसे करने के लिए आपको सबसे पहले सुखासन या पदमासन में बैठना है इसके बात आपने हाथों को सीधे धुटने पर रखना है। अब आपको लंबी सांस लेनी है और कुछ समय के लिए रोकने के बाद ओम शब्द का उच्चारण करते हुए सांस को छोड़ना है। ऐसा आप दस से पंद्रह बार कर सकती हैं।

आसन से लाभ

प्राणायाम उन आसनों में से एक है जो आपको मानसिक शांति प्रदान करेगा। इसके साथ ही इससे आपको तनाव से राहत मिलेगा। इसके अभ्यास से आप अपने ज्ञान चक्र को जागृत करने में सफल हो सकते हैं। प्राणायाम का अभ्यास करने से आपकी सोचने व समझने की क्षमता में इज़ाफा होता है।

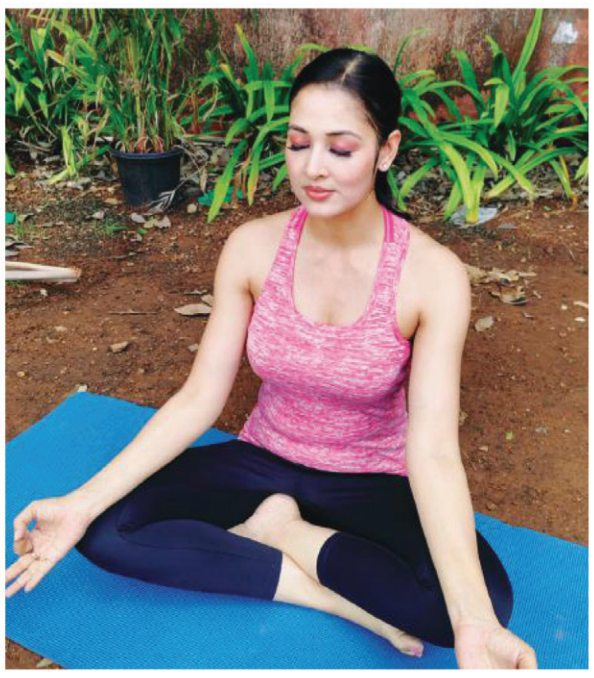

सर्वांगासन

सर्वांगासन करने के लिए सबसे पहले आपको लेट जाना है। इसके बाद आपको अपने पैरों को ऊपर की ओर ले जाना है। फिर अपने पीठ को दोनों हाथों से सहारा दें और अपने पैरों को ऊपर की ओर जितना हो सके उतना ऊपर ले जाएं। ध्यान रहे की आपका कंधा ज़मीन पर ही रहे। इसी के बल आपको खड़े रहना है। इस स्थिति में सामर्थ के हिसाब से बने रहें। सांस लेते व छोड़ते रहना है।

आसन से लाभ

सर्वांगासन को चमकदार त्वचा के लिए सबसे उपयुक्त आसन माना जाता है। आसन के अभ्यास से त्वचा की सेहत सुधरती है बल्कि इससे चेहरे की कोशिकाओं में रक्त संचार भी बढ़ता है।

टाइल में आई दरार को सही करने के टिप्स

आजकल मार्बल और फर्श का जमाना गया, जमाना है चमचमाती टाइल्स लगवाने का। आपने नोटिस किया ही होगा कि पहले जहां लोग सिर्फ घर के बाथरूम या किचन में ही टाइल्स लगवाते थे, वहीं अब घर के हर हिस्से में इसने अपना कब्जा जमा लिया है। एक तो ये देखने में भी खूबसूरत होती हैं और क्लीन करने में भी आसान। ऐसे में अधिकतर लोग अपने घरों में आजकल टाइल्स लगवाना ही प्रिफर करने लगे हैं। हालांकि कई बार टाइल्स पर दरार आ जाती है, जो देखने में बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती और इसमें गंदगी भी जमा होने लगती है। ऐसे में एक ही ऑप्शन बचता है कि टाइल को रिप्लेस कर दिया जाए, लेकिन बार-बार टाइल्स को बदलना तो पॉसिबल है नहीं। तो क्यों ना टूटी हुई टाइल को ही रिपेयर कर दिया जाए। जी हां, एक आसान टिप्स से आप टाइल में आई दरार को चुटकियों में सही कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कैसे।

आपको पड़ेगी बस इन चीजों की जरूरत टाइल में आई दरार को रिपेयर करने के लिए आपको जिन चीजों की जरूरत पड़ेगी वो हैं – इपोक्सी लिक्विड, व्हाइट सीमेंट, कॉटन या माइक्रोफाइबर क्लॉथ, टूथपिक, डिश वॉश लिक्विड और पानी। इनमें से काफी चीज़ों आपको बड़ी ही आसानी से पेंट की शॉप पर मिल जाएंगी। इसके अलावा रिपेयरिंग के दौरान हाथों की सेफ्टी के लिए ग्लव्स और साथ ही सीमेंट की धूल से बचने के लिए मास्क खरीदना बिल्कुल ना भूलें।

दरार की रिपेयरिंग से पहले टाइल को करें क्लीन

रिपेयरिंग के प्रोसेस को शुरू करने से पहले, दरार के अंदर जमी हुई गंदगी को अच्छे से साफ करना जरूरी है। दरअसल टाइल में दरार आने से उसके अंदर धूल-मिट्टी जमा हो जाती है और इसकी मौजूदगी में दरार को फिक्स करना पॉसिबल नहीं है। इसलिए इसे अच्छे से साफ करने के लिए इस पर डिशवॉश लिक्विड डालें और फिर इसे साफ करने के बाद पानी से धो दें। इसके बाद कॉटन या माइक्रो फाइबर क्लॉथ से फ्लोर को अच्छे से पोछकर सुखाएं। जब फ्लोर अच्छे से सूख जाए तब रिपेयरिंग का प्रोसेस शुरू करें।

यूं करें दरार को सही

टाइल्स की दरार को सही करने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में इपोक्सी लिक्विड और सीमेंट लें। अब इसमें पानी की थोड़ी-थोड़ी मात्रा मिलाते हुए एक गाढ़ा सा पेस्ट तैयार कर लें। जब पेस्ट बनकर तैयार हो जाए तब इसे टूटी हुई टाइल पर, दरारों में भरते हुए अच्छे से स्प्रेड कर दें। पतली दरारों में पेस्ट को भरने के लिए आप टूथपिक की मदद ले सकते हैं। जब यह पेस्ट टाइल की दरारों पर अच्छी तरह से फैल जाए तो इसे लगभग 15 से 20 मिनट सूखने के लिए छोड़ दें। इसके बाद टाइल पर फैले एक्स्ट्रा पेस्ट को खुरचकर हटा दें और एक बार फिर डिशवॉश लिक्विड से टाइल को साफ कर दें। इस तरह आसानी से टाइल की दरारें फिल हो जाएंगी। हालांकि ध्यान रहे इस काम को करते समय हाथों में ग्लव्स और मुंह पर मास्क जरूर पहनें।

जले हुए बर्तन से दाग कैसे हटाएं

फेमिली बड़ी हो या छोटी रोजाना खाना बनाते वक्त कुछ ना कुछ बर्तन जल ही जाते हैं, जिससे रसोई में काम करने वाली अधिकतर महिलाएं काफी परेशान रहती है। क्योंकि जले हुए बर्तनों को साफ करना एक कठिन काम हो सकता है। अगर आप भी इससे परेशान हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप जले हुए बर्तन को आसानी से कुछ मिनट में साफ कर सकती हैं।

जले हुए बर्तन को आसानी से करें साफ

रसोई में खाना बनाते समय कभी-कभी बर्तन जल जाते हैं, जिससे उन्हें साफ करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए बेकिंग सोडा और पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको जले हुए बर्तन को पहले पानी से भरकर रख देना होगा और फिर इसमें एक कप बेकिंग सोडा डाल दें। अब इस मिश्रण को कुछ घंटे के लिए साइड में रख दें, अब एक कड़क ब्रश की मदद से जले हुए हिस्से को रगड़ने से आप बड़ी आसानी से जले हुए बर्तन को साफ कर सकती हैं।

सिरके का करें इस्तेमाल

इसके अलावा आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आपको जले हुए बर्तन में बराबर मात्रा में सिरका और पानी डालना होगा अब कुछ देर के लिए आप इसे गैस पर मध्यम आंच पर उबलने के लिए रख दें। जब यह ठंडा हो जाएं, तब आप इस बर्तन को रगड़ कर अच्छी तरह धो लें। इससे आपका बर्तन आसानी से साफ हो जाएगा।

टमाटर का पेस्ट

यही नहीं आप टमाटर के पेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको टमाटर के पेस्ट को जले हुए हिस्से पर लगाना होगा, थोड़ी देर तक इसे लगा रहने दे उसके बाद साफ पानी से धो लें। ऐसा करने पर जला हुआ बर्तन साफ हो जाएगा।

सोडे का इस्तेमाल

इसके अलावा आप सोडे का इस्तेमाल कर सकते हैं। सोडा को पानी में मिलाकर पेस्ट बना ले, फिर ऐसे जले हुए हिस्से पर लगाएं। कुछ देर बाद बर्तन धो दें। अब आप नींबू को आधा काट लें और उसमें नमक लगाकर जले हुए हिस्से पर रगड़ें। कुछ देर बाद आप इसे धो लें।

अलार्म लगाने का ये तरीका अपनाएं

दिनचर्या का सबसे बुरा पार्ट होता है जब हम अलार्म लगाकर सोते हैं और सुबह अलार्म की आवाज से झटके से उठते हैं और सारा मूड खराब होता है। हर इंसान थोड़ी देर और सोना चाहता है लेकिन काम की जल्दी सबको होती है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी सुबह अच्छी, शांत और खुशनुमा हो। जिससे कि ना केवल माइंड रिलैक्स रहे बल्कि शरीर को पॉजिटिव एनर्जी मिले और पूरा दिन अच्छा गुजरे। तो अलार्म लगाने का ये तरीका अपनाएं।

ट्यून वाले अलार्म ना सेट करें

अपने मोबाइल, घड़ी में ट्यून वाले अलार्म ना सेट करें। ऐसे अलार्म टोन जो तेज आवाज में बजते हैं और जिन्हें सुनकर आप झटके में उठकर बैठ जाते हैं। इस तरह के अलार्म ज्यादातर स्नूज करके लोग सो जाते हैं। साथ ही इन अलार्म टोन से निगेटिव वाइब्स मिलती है और हर किसी को लगता है कि बस काम के लिए देर हो रही है।

ज्यादातर लोग रात को अलार्म लगाकर सोते हैं। जब आप पूरी तरह से अलार्म पर ही डिपेंड हैं तो हमेशा ऐसे अलार्म टोन को सेट करें जो ना केवल धीरे से बचे बल्कि मन को शांत करें। किसी इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक या अपने फेवरेट सूदिंग म्यूजिक को सेट करें। जिसकी आवाज कानों में पड़े तो आपका मूड फ्रेश हो जाए और उठने में अच्छा लगे।

लगाएं कोई धार्मिक मंत्र

पॉजिटिव एनर्जी के लिए लोग धार्मिक चीजों पर डिपेंट करते हैं। तो आप अपने अलार्म टोन के लिए किसी धार्मिक मंत्र या म्यूजिक को चुन सकते हैं। जिसे सुनकर आप एनर्जेटिक और पॉजिटिव फील करें। इस तरह की आवाज जब कानों में पड़ती है तो माइंड रिलैक्स होता है और खुश होता है। जिससे आप तेजी से अपने रूटीन में लग जाते हैं और पूरा दिन माइंड फ्रेश रहता है।

आलू-मेथी के गरमागरम स्वादिष्ट पराठे

गरमा-गरम पराठा का एक कप गरमा-गरम चाय, क्या ही बात है! गरमागरम पराठे हर किसी को पसंद आते हैं। ऐसे में, आप आलू, गाजर, गोभी, मूली या पालक का पराठा तो शायद खाते ही होंगे, लेकिन आज हम आपको आलू-मेथी का स्वादिष्ट पराठा बनाना सिखाएंगे। जी हां, खास बात है कि यह उन लोगों के लिए एकदम परफेक्ट है जिनका मन आलू-मेथी की सब्जी खाते-खाते ऊब जाता है। यकीन मानिए, आलू का भरपूर स्वाद और मेथी की खुशबू का जादुई मेल आपके स्वाद की कलियों को झकझोर कर रख देगा। मेथी पराठे में आलू की स्टफिंग का अनोखा कॉम्बिनेशन ना सिर्फ आपके नाश्ते को स्वादिष्ट बनाएगा बल्कि आपको पूरे दिन एनर्जेटिक भी रखेगा।

बनाने के लिए सामग्री

2 कप गेहूं का आटा, 1/2 चम्मच नमक, 1/2 चम्मच अजवाइन, 1 चम्मच तेल, पानी (आटा गूंथने के लिए)

आलू की स्टफिंग:

2 बड़े आलू (उबले हुए और मैश किए हुए)
1 कप मेथी (बारीक कटी हुई)
1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
1/4 छोटा चम्मच गरम मसाला
1/4 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
नमक स्वादानुसार
1 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)
हरा धनिया (बारीक कटा हुआ)
तेल तलने के लिए जरूरी मात्रा में लेना चाहिए।

आलू-मेथी के पराठे बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े कटोरे में गेहूं का आटा, नमक, अजवाइन और तेल डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर मुलायम आटा गूंथ लें। आटे को ढककर 15-20 मिनट के लिए रख दें। अब एक पैन में तेल गरम करें। इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। अब इसमें हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद मैश किए हुए आलू और मेथी डालकर मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। गैस बंद कर दें और हरा धनिया डालकर मिला लें। फिर आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें। प्रत्येक लोई को बेलन से गोल करके पतला बेल लें। बीच में आलू का मिश्रण भरें और किनारों को मोड़कर गोल आकार दें। अब एक तवा गरम करें और थोड़ा सा तेल लगाएं। पराठे को तवे पर डालकर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेकें। गरमागरम आलू-मेथी के पराठे दही, अचार या प्याज के साथ परोसें।

गार्डन को कैसे बनाएं सुंदर

हर कोई अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहता है। ऐसे में घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर एक छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आप भी अपने घर के आंगन को आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज बताएंगे कुछ ऐसी टिप्स, जिनकी मदद से आप घर का वह हिस्सा सजा सकते हैं, जहां पर अधिकतर लोग आकर बैठते हैं।

■ ऐसे बनाएं अपने घर के आंगन को खूबसूरत

आंगन घर की खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा देता है। इसे सुंदर बनाने के लिए आप कई तरह के पौधे, फूल और सजावटी सामानों का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आप किसी शॉप या नर्सरी से रंग-बिरंगे फूलों वाले गमले आपके आंगन में रख सकते हैं। आजकल बाजार में सजावट के लिए भी एक से एक पौधे आसानी से मिल जाते हैं।

■ दीवारों पर लगाएं लताएं

आंगन की दीवारों को खूबसूरत बनाने के लिए आप मनी प्लांट, मोगरा जैसी कई सुगंधित लताएं लगा सकते हैं। इससे आंगन की दीवारें चमक उठेंगी। आप आंगन के बाहर बॉउंड्री पर नींबू, संतरा या आम जैसे छोटे छोटे पेड़ लगा सकते हैं। यह पेड़ आपके आंगन को हरा-भरा बना देंगे और इससे घर पर आने वाले सभी मेहमान आपके आंगन की तारीफ करने लगेंगे।

■ आंगन में लगाएं खूबसूरत झूले

यही नहीं आप अपने आंगन में एक एक छोटा सा फव्वारा भी लगवा सकते हैं। यह आपके आंगन में शांति और सुंदरता ला सकता है। इसके अलावा आंगन में आप एक छोटा सा खूबसूरत झूला या कोई बेंच लगवा सकते हैं ताकि आप शांति से बैठकर या झूले में झूल कर प्रकृति का आनंद ले सकें यहां बैठता आपको सुकून पहुंचाएगा।

■ बांस की लकड़ियों का करें इस्तेमाल

आप शाम के वक्त अपने आंगन में दिये या फिर लैंप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पूरा आंगन रोशनी से जगमगा जाएगा। आप पत्थरों से अपने आंगन की सजावट कर सकते हैं। इसके अलावा बांस की लकड़ियां भी सजावट के लिए काफी इस्तेमाल की जाती है।

■ रोजाना करें आंगन की सफाई

इन सभी टिप्स के अलावा आपको रोजाना अपने आंगन की सफाई करनी चाहिए और पौधों में पानी देना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपका आंगन हरा भरा और खूबसूरत दिखाई देगा। यह सभी टिप्स आपको अपने आंगन को खूबसूरत बनाने में मदद करेगी।

गतका हमारी गौरवशाली विरासत का प्रतीक है, युवाओं को इससे जोड़ना गर्व की बात : सांसद विजय बघेल

भिलाई नगर। सिख इतिहास की अमर जंगजू परंपरा और भारतीय संस्कृति की वीरता को साकार करती 13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप का शुभारंभ शुक्रवार को गुरु नानक इंग्लिश सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिलाई में हुआ।यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा न्यू गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग सांसद विजय बघेल ने किया। उनके साथ मंच पर पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे, अध्यक्ष हरजीत सिंह ग्रेवाल, छत्तीसगढ़ सिख पंचायत अध्यक्ष जसबीर सिंह चहल, न्यू गतका एसोसिएशन अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, महासचिव जसवंत सिंह खालसा और वित्त सचिव मलकीत सिंह लल्लू सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। अपने संबोधन में सांसद बघेल ने कहा–गतका केवल युद्ध कला नहीं, बल्कि यह हमारे गौरवशाली अतीत और सिख परंपरा की अजेय भावना का प्रतीक है। ऐसी स्वदेशी कलाओं को बढ़ावा देने से न केवल संस्कृति का संरक्षण होता है बल्कि युवाओं में साहस, अनुशासन और भक्ति के गुण भी विकसित होते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रेम प्रकाश पांडे ने कहा कि इस प्रतियोगिता की मेजबानी छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा–गतका जैसी प्राचीन कला फिटनेस, अनुशासन और एकता का संदेश देती है। यह न सिर्फ खेल है बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक सद्भाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गतका को पहुँचाने की तैयारी-एनजीएआई एवं वर्ल्ड गतका फेडरेशन के अध्यक्ष हरजीत सिंह ग्रेवाल ने बताया कि उनका उद्देश्य गतका को एक पारंपरिक कला के साथ-साथ आधुनिक खेल के रूप में पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा–हम चाहते हैं कि निकट भविष्य में गतका को ओलंपिक जैसे वैश्विक खेल आयोजनों में भी शामिल किया जाए। भारत के खिलाड़ी इस मंच से अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी करेंगे।12 राज्यों से आए 500 खिलाड़ी, विजेताओं को मिलेगा विशेष सम्मान-आयोजन समिति के प्रमुख इंद्रजीत सिंह छोटू और जसवंत सिंह खालसा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर के 12 राज्यों से 500 से अधिक खिलाड़ी (लड़कें और लड़कियाँ दोनों) भाग ले रहे हैं। समापन समारोह में विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। इंद्रजीत सिंह छोटू ने घोषणा की–छत्तीसगढ़ के स्वर्ण पदक विजेताओं को खेल सुविधाएँ और नकद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। सिख समाज और संस्थाओं का व्यापक सहयोग-इस आयोजन को सफल बनाने में कई गुरुद्वारों और सिख संस्थाओं का पूरा सहयोग रहा। इनमें प्रमुख हैं –गुरुद्वारा बेचे जानकी जी (जोन-2, खुर्सीपार), गुरुद्वारा गुरु हरगोबिंद साहिब जी (कैंप-2), गुरुद्वारा गुरु अर्जुन देव जी (हाउसिंग बोर्ड), गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर जी (कैंप), गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह जी (सुपेला) और अन्य प्रमुख गुरुद्वारे।

जन्मदिन पर अनोखी पहल : पार्षद राजू सोनकर ने छात्रा को दी साइकिल, एक पेड़ मां के नाम थीम पर किया वृक्षारोपण

अम्लेश्वर। नगर पालिका परिषद अम्लेश्वर के वार्ड क्रमांक 03 के युवा पार्षद राजू सोनकर ने अपने जन्मदिन को समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित करते हुए एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा दामिनी साहू को साइकिल भेंट की तथा एक पेड़ मां के नाम थीम पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सोनकर ने कहा कि– समाज में बदलाव लाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास ही बड़ा प्रभाव डालते हैं। छात्राओं की शिक्षा में सहूलियत और पर्यावरण की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

समाज सेवा और पर्यावरण के प्रति समर्पण–राजू सोनकर की इस पहल से एक ओर छात्रा को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी, वहीं दूसरी ओर वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी प्रसारित हुआ। एक पेड़ मां के नाम थीम के तहत लगाए गए पौधे लोगों को प्रकृति से जुड़ने और मातृत्व के प्रति सम्मान का संदेश देते हैं।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति– इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर, पार्षद खुबीराज सोनकर, पूर्व पार्षद खिलेश्वर चक्रधारी, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। सभी ने पार्षद सोनकर की इस प्रेरणादायी पहल की प्रशंसा की और समाज में ऐसे कार्यों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

मानवता और पर्यावरण का संगम– पार्षद राजू सोनकर ने अपने जन्मदिन को सेवा और संकल्प के रूप में मनाकर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी यह पहल न केवल छात्रा के जीवन में सहायक होगी, बल्कि समाज को भी यह संदेश देगी कि जन्मदिन केवल उत्सव नहीं, बल्कि योगदान का भी अवसर हो सकता है।

आगेसरा मॉडल अब पूरे छत्तीसगढ़ में लागू होगा, दक्षिण पाटन के युवा सरपंच रमाकांत साहू की सोच को छत्तीसगढ़ सरकार ने दिया राज्यस्तरीय रूप

दुर्ग/पाटन। शिक्षा के क्षेत्र में ग्राम पंचायत स्तर पर शुरू की गई एक पहल अब पूरे छत्तीसगढ़ के लिए मिसाल बनने जा रही है। दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक के ग्राम पंचायत आगेसरा के युवा सरपंच रमाकांत साहू द्वारा प्रारंभ की गई समर्पण निशुल्क कोचिंग सेंटर की तर्ज पर अब छत्तीसगढ़ सरकार पूरे राज्य में निशुल्क कोचिंग सेंटर प्रारंभ करने की तैयारी में है।

गांव की सोच अब बनेगी राज्य की नीति–ग्राम पंचायत आगेसरा के इस अभिनव प्रयास ने शिक्षा विभाग का ध्यान अपनी ओर खींचा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस मॉडल को पूरे राज्य में लागू करने के लिए नीति निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु ऑनलाइन कोचिंग की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

गांव के युवाओं के लिए शुरू हुआ था प्रयास–युवा सरपंच रमाकांत साहू ने गांव के बच्चों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से समर्पण निशुल्क कोचिंग सेंटर की स्थापना की थी। इस कोचिंग सेंटर में अनुभवी शिक्षकों द्वारा निशुल्क शिक्षा दी जा रही है, जिससे दर्जनों विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

आगेसरा पंचायत बना छत्तीसगढ़ का पहला उदाहरण–समर्पण निशुल्क कोचिंग क्लास को छत्तीसगढ़ की पहली ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित निशुल्क कोचिंग पहल माना गया है। इस प्रयास ने यह साबित किया कि यदि इच्छाशक्ति और सामूहिक सहयोग हो तो ग्रामीण क्षेत्र से भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

गर्व और प्रेरणा का विषय–स्कूल शिक्षा विभाग की इस पहल से ग्राम पंचायत आगेसरा और स्थानीय ग्रामीणों में हर्ष की लहर है। युवा सरपंच रमाकांत साहू ने कहा– हमारा उद्देश्य सिर्फ गांव नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं तक शिक्षा की रोशनी पहुँचाना है। सरकार द्वारा इस मॉडल को राज्यभर में अपनाया जाना हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

शुक्ला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का गायनिक ऑपरेशन थियेटर सील

ईलाज के दौरान महिला की मौत, जांच टीम गठित

राजनांदगांव। जिला मुख्यालय स्थित शुक्ला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान ग्राम रिवागहन (जिला बालोद) निवासी दौपदी साहू की मृत्यु के बाद मचे बवाल के बीच अस्पताल का गायनिक ऑपरेशन थियेटर आगामी आदेश तक सील कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार महिला को 24 सितंबर 2025 को भर्ती कर उनका बच्चेदानी का ऑपरेशन किया गया था। टांका खुलवाने के लिए उन्हें पुनः 6 अक्टूबर को दोपहर 3.50 बजे भर्ती किया गया, जहां 9 अक्टूबर की सुबह 11.30 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृत्यु के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल का घेराव किया। जानकारी मिलते ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. नेतराम नवरतन और टीम ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से चर्चा की एवं प्रारंभिक जांच की। उसी दिन विशेषज्ञों की पांच सदस्यीय जांच समिति गठित कर सात दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जिला स्तरीय जांच दल ने 10 अक्टूबर को अस्पताल पहुंचकर गायनिक ऑपरेशन थियेटर का निरीक्षण किया और क्लचर जांच हेतु सैंपल लेकर एआईआईएमएस रायपुर भेजा। सैंपल लेने के बाद ओटी को सील कर दिया गया है। दल ने ऑपरेशन में शामिल तीनों चिकित्सकों और दो ओटी स्टाफके बयान दर्ज किए हैं। उपचार से संबंधित सभी दस्तावेजों की प्रतियां भी जब्त की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि प्राप्त शिकायत की जांच जारी है, और रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बायोमेट्रिक प्रणाली से होगी धान खरीदी, तैयारी शुरू

कलेक्टर यादव ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

राजनांदगांव। शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीदी की प्रारंभिक तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत किसानों का नवीन पंजीयन और पंजीकृत फसल व रकबे में संशोधन की कार्रवाई 31 अक्टूबर 2025 तक पूर्ण की जाएगी। कलेक्टर जितेंदर यादव ने अधिकारियों की बैठक लेकर धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान विक्रय के इच्छुक कृषकों को एग्रीस्टैक पोर्टल और एकीकृत किसान पोर्टल दोनों पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। धान के रकबे का भौतिक सत्यापन तहसील और जिला स्तर के अधिकारी पीवी एप के माध्यम से करेंगे। खरीदी कार्यों में पारदर्शिता के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक खरीद प्रणाली इस वर्ष भी लागू रहेगी। किसान स्वयं या अपने नामिनी (परिवार के नामित सदस्य या करीबी रिश्तेदार) के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण कर धान बेच सकेंगे।

उपकरणों की जानकारी ली-कलेक्टर यादव ने बारदाने की उपलब्धता की जानकारी ली और धान उपार्जन केंद्रों में गेट-फेंसिंग, सुगम पहुंच मार्ग, पर्याप्त संग्रहण स्थल, इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र, आद्रतामापी यंत्र, विद्युत व्यवस्था, इंटरनेट कनेक्टिविटी, कम्प्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस और जनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्र स्तर पर धान के सुरक्षित भंडारण हेतु पर्याप्त पॉलीथीन कवर, डेनेज सामग्री, कर्मचारियों और श्रमिकों की व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विफल होने की स्थिति में प्रत्येक खरीदी केंद्र पर विश्वसनीय व्यक्ति की नियुक्ति की जाएगी।

पत्रकार के परिवार से किया वादा निभाया : समाजसेवी इंद्रजीत सिंह ने बच्चों की स्कूल फीस भरी

भिलाई। सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का उदाहरण पेश करते हुए हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं समाजसेवी इंद्रजीत सिंह ने दिवंगत पत्रकार संतोष यादव के दोनों बच्चों की स्कूल फीस अदा कर अपने वायदे को पूरा किया।

शोकसभा में किया था वादा-गौरतलब है कि बीते 5 अक्टूबर को दिवंगत पत्रकार संतोष यादव के अंतिम संस्कार के बाद आयोजित शोकसभा में इंद्रजीत सिंह ने बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा था कि दोनों बच्चों की स्कूल फीस यूथ सिख सेवा समिति के माध्यम से जमा कराई जाएगी।

वायदे को निभाने में नहीं की देर-अपने वचन के अनुरूप, इंद्रजीत सिंह ने बिना किसी देरी के कार्रवाई की। उन्होंने यूथ सिख सेवा समिति के माध्यम से पत्रकार संतोष यादव की पुत्री अदिति यादव और पुत्र आदित्य यादव की कुल 40,600 की स्कूल फीस ज्योति विद्यालय, चरोदा में जमा कराई।

पत्रकार संतोष यादव का निधन-बताया गया कि 3 अक्टूबर को भिलाई-3 के बजरंग पारा निवासी वरिष्ठ पत्रकार संतोष यादव का हृदयाघात से निधन हो गया था। वे 51 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी सुशीला यादव और दो बच्चे अदिति व आदित्य हैं। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी।

यूथ सिख सेवा समिति ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी-अचानक हुए इस दुखद निधन के बाद परिवार पर आर्थिक संकट के हालात बन गए थे। इसी को देखते हुए समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू) और महासचिव मलकीत सिंह (लल्लू) ने बच्चों की पढ़ाई में मदद का आश्वासन दिया था। फिर समिति की ओर से सितंबर से मार्च माह तक की फीस – प्रत्येक बच्चे के लिए 20,300-20,300 के दो अलग-अलग चेक विद्यालय प्रबंधन को सौंपे गए।विद्यालय को सौंपे गए चेक-दोनों बच्चों की सात महीने की बकाया फीस का भुगतान यूथ सिख सेवा समिति द्वारा सीधे ज्योति विद्यालय, चरोदा के नाम से किया गया।

विद्यालय प्रबंधन ने समिति के इस कदम की सराहना की और बच्चों के उज्ज्वल

औंधी में बनेगा सर्वसुविधा युक्त मंगल भवन, दुर्ग सांसद विजय बघेल ने किया भूमि पूजन, ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत औंधी में आज सर्वसुविधा युक्त मंगल भवन के निर्माण के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह भवन लगभग 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा। ग्रामीणों की यह वर्षों पुरानी मांग थी, जो अब पूरी होने जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल ने शिलान्यास कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। सांसद बघेल ने कहा कि ग्राम औंधी सहित पूरे क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है, और इस मंगल भवन से ग्रामवासियों को विवाह, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में बड़ी सुविधा मिलेगी।

जनप्रतिनिधियों की रही उपस्थिति–भूमिपूजन कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला पंचायत सभापति नीलम राजेश चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य कल्पना नारद साहू, जनपद अध्यक्ष पाटन कीर्ति नायक, जनपद उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, जनपद सदस्य कस्तूरी बंजारे, सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, राजेश वर्मा, नारद साहू, पन्नालाल बंजारे सहित ग्राम पंचायत औंधी के सरपंच व पंचगण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने जताया आभार– ग्रामवासियों ने सांसद विजय बघेल और जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भवन ग्राम के सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सभी वर्गों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

भगवा ब्रिगेड संस्थापक की रिहाई की मांग

क्षत्रिय करणी सेना ने जिला कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया

लोकतंत्र प्रहरी/संवाददाता। दुर्ग।भगवा ब्रिगेड के संस्थापक ठाकुर राम सिंह ,चिंगराजधारा, बिलासपुर पर लगाए गए आरोपों को हटाकर शीघ्र रिहा करने की मांग को लेकर क्षत्रिय करणी सेना ने दुर्ग जिला कलेक्ट्रेट में सोमवार को प्रदर्शन किया।

इस दौरान छत्तीसगढ़ एवं सनातन समाज के प्रतिनिधियों ने नारेबाजी करते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। आपको बता दें, धरना स्थल पर मौजूद प्रतिनिधियों ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि,ठाकुर राम सिंह (संस्थापक भगवा ब्रिगेड, बिलासपुर ने सनातन धर्म रक्षक, गौरक्षक तथा बिलासपुर जिले में धर्मांतरण की रोकथाम के लिए सतत कार्यरत रहे हैं, जिन्होने लगभग 80त्न धर्मांतरण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।ऐसे व्यक्ति को बिल्हा में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।इसका हम विरोध करते हैं। और प्रशासन से यह मांग करते हैं कि,ठाकुर राम सिंह पर लगाए गए सभी आरोपों की निष्पक्ष जाँच करवाई जाए। उन पर लगाए गए सभी गलत धाराओं को हटाकर उन्हें शीघ्र न्यायोचित सम्मानपूर्वक रिहा किया जाए।

इसी मांग को लेकर क्षत्रिय करणी सेना ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा।

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा -शहर के हर वार्ड में होगा संतुलित विकास

तीन वार्डों में 77.5 लाख रूपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन

राजनांदगांव। विधायक डा. रमन सिंह और सांसद संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर नगरीय प्रशासन व विकास विभाग द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों के अंतर्गत शहर के विभिन्न वार्डों में अधोसंरचना निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है।

इसी क्रम में महापौर मधुसूदन यादव ने शनिवार को वार्ड नं. 4, 27 और 37 में लगभग 77.50 लाख रूपये की लागत से होने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। वार्ड नं. 4 में 30 लाख रूपये से डब्लू.एम.एम. रोड निर्माण, 5 लाख से सीमेंट रोड, प्रभारी मंत्री निधि से 2.50 लाख से मंच निर्माण और 10 लाख से भवन निर्माण किया जाएगा। वार्ड नं. 27 में 7 लाख से आम्बेडकर भवन जीर्णोद्धार, कोतवाली के पास 3-3 लाख से रोड व बाउंड्रीवाल निर्माण के साथ 15 लाख से सीमेंट रोड व नाली निर्माण किया जाएगा। वार्ड नं. 37 में रामदेव बाबा मंदिर के पास गली का सीमेंटिकरण 5 लाख रूपये की लागत से किया जाएगा। महापौर यादव ने कहा कि वार्ड वार विकास प्रस्ताव पार्षदों से ले लिए गए हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। विधायक, सांसद और शासन के सहयोग से हर वार्ड का संतुलित विकास हमारा लक्ष्य है। कार्यक्रम में बीस सूत्रीय समिति के पूर्व उपाध्यक्ष खूबचंद पारख, निगम अध्यक्ष पारस वर्मा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, वार्ड पार्षद राजेश जैन रानू, जैनम बैद, संदीप बघेल सहित महिला मंडल एवं वार्डवासी उपस्थित थे। इस अवसर पर पारख ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में प्रदेश में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं।

महापौर ने दो वार्डो को दिए 8 लाख, भवन संधारण और सीमेंटीकरण के लिए किया भूमिपूजन

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर और एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा में निर्माण कार्य के लिए 08 लाख रूपये स्वीकृत किया है। विकास कार्य को आरंभ करने उन्होंने वार्ड 10 और वार्ड 18 पहुंचकर भूमिपूजन भी किया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि, निगम क्षेत्र में वे विकास कार्य को पूर्ण कराया जाएगा। महापौर शशि सिन्हा पहले वार्ड 10 पहुंची। यहां पर उन्होंने एमआईसी सदस्य जमुना ठाकुर के अनुरोध पर 05 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से ब्लाक 249 से 252 तक के छुटे हुए आंगन में सीमेंटीकरण का कार्य पूर्ण होगा। इसी तरीके से पार्षद रेखा देवी की मांग पर महापौर ने 03 लाख की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से वार्ड में गौरा चैड़ी निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। महापौर ने बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com